संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 79 रविवार 19 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

## महत्वपूर्ण खबर

### आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से हो रहा दुनिया का सबसे बड़ा हेडकाउंट

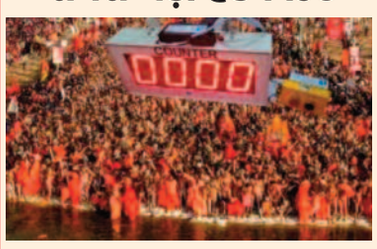



**एक-एक श्रद्धालुओं की होगी गिनती**

**प्रयागराज,18 जनवरी 2025 (ए)।** महाकुंभ 2025 में दुनिया का सबसे बड़ा हेडकाउंट होगा जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल किया जाएगा। अब तक इनकी संख्या की गिनती करने की कोई सटीक तकनीक नहीं थी।एआई कैमरों से श्रद्धालुओं की एक-एक गिनती की जाएगी। इस तकनीक से 95 प्रतिशत तक सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान 45 करोड़ है।

### महाकुंभ में रुद्राक्ष माला बेचने वाली मोनालिसा बनी इंटरनेट सेंसेशन

**सेल्फी लेने लगी लोगों की भीड़**

**इंदौर,18 जनवरी 2025 (ए)।** महाकुंभ मेले के दौरान इंदौर की एक लड़की, जिसे सोशल मीडिया पर लोग मोनालिसा कहकर बुला रहे हैं, इन दिनों चर्चा में है। महाकुंभ में रुद्राक्ष और फूल माला बेचने के लिए आई इस लड़की के वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहे हैं। उसकी खूबसूरत आंखों और सादगी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

# अस्पताल रेप-मर्डर में हुआ खुलासा

**» संजय रॉय दोषी करार पर नहीं रुकेगा डॉक्टरों का प्रदर्शन**

**कोलकाता,18 जनवरी 2025 (ए)।**कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में कोर्ट ने संजय रॉय को दोषी करार दिया है। सोमवार (20 जनवरी) को अदालत संजय रॉय को सजा सुनाएगी। हालांकि, महिला डॉक्टर को न्याय दिलाने के लिए प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों का कहना है कि उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। विभिन्न अस्पतालों के डॉक्टरों ने शनिवार को मुख्य आरोपी संजय रॉय की सजा पर असंतोष व्यक्त करते हुए विरोध रैली निकाली और मांग की कि सीबीआई इस अपराध में कथित रूप से शामिल सभी लोगों को न्याय के कटघरे में लाए।

आरजी कर अस्पताल सहित शहर के सरकारी अस्पतालों के जूनियर और वरिष्ठ डॉक्टरों ने सियालदह अदालत के बाहर रैली निकाली और कहा कि जब तक अपराध के पीछे की सच्चाई पूरी तरह सामने नहीं आ जाती, उनका विरोध जारी रहेगा।



**सबूतों के साथ छेड़छाड़**

एक अन्य आंदोलनकारी डॉक्टर असफाकउल्लाह नैया ने पूंछा,पूरक आरोपपत्र कहां है? सीबीआई ने कहा था कि वे जल्द ही एक आरोपपत्र दाखिल करेंगे। डॉक्टरों ने मामले के बारे में 20 मुख्य
सवाल उठाए, जिनके बारे में उनका दावा है कि उनका जवाब अब तक नहीं मिला है और बताया कि अपराध स्थल के साथ छेड़छाड़ की गई थी। डॉक्टरों ने कहा इसके स्पष्ट सबूत हैं। साथ ही, पीड़ित के शरीर पर कई वीर्य के नमूनों की मौजूदगी की क्या वजह है? हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे, जब तक सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने वालों को सजा नहीं मिल जाती।

**डॉक्टरों के सवाल**

जूनियर डॉक्टर अनिकेत महतो ने कहा, संजय को दोषी ठहराया गया है, लेकिन अन्य दोषियों का क्या? वह अकेले इस अपराध को कैसे अंजाम दे सकता है? सीबीआई की जांच परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर आधारित थी, लेकिन घटनास्थल कहां है? हमारे पास अभी भी कई प्रश्न हैं, जिनका जवाब नहीं मिला है।÷ आंदोलनकारी डॉक्टरों ने यह भी सवाल उठाया कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने कोई पूरक आरोपपत्र क्यों नहीं दाखिल किया।

**बड़ी साजिश का पर्दाफाश जरूरी**

डॉक्टरों ने 20 सवालों को सूचीबद्ध करते हुए पर्चे लोगों को वितरित किए और उनसे विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने का आग्रह किया। वरिष्ठ डॉक्टर पवित्र गोस्वामी ने कहा कि वे तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रखेंगे, जब तक सभी दोषियों पर मामला दर्ज नहीं हो जाता। गोस्वामी ने कहा ÷हम इस सजा से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हैं। यह वास्तव में उन लोगों की मदद करने के लिए है, जो अपराध में समान रूप से शामिल थे।

## रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महाकुंभ में किया संगम स्नान

**मेरे लिए सौभाग्य की बात, योगी की भी की तारीफ**

**प्रयागराज,18 जनवरी 2025 (ए)।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने महाकुंभ में संगम स्नान के बाद अपनी गहरी आध्यात्मिक अनुभूति व्यक्त की। उन्होंने इसे अपना सौभाग्य बताया और कहा कि ईश्वर ने उन्हें इस पवित्र अवसर का हिस्सा बनने का अवसर दिया। राजनाथ सिंह ने कहा, आज संगम में स्नान करने के बाद मैं स्वयं को अत्यंत कृतार्थ और धन्य महसूस कर रहा हूं। यह पर्व भारतीयता, सांस्कृतिक और सनातन धर्म की आध्यात्मिक अनुभूति का प्रतीक है, जो प्राचीन वैदिक खगोलीय घटना पर आधारित है। रक्षा मंत्री ने संगम को गंगा, यमुना और सरस्वती के साथ सनातन धर्म की आध्यात्मिकता, वैज्ञानिकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और विज्ञान का भी अद्वितीय संगम है।

# अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में बड़ी चूक

**आप का दावा,ईंट-पत्थर से हमला**

**नई दिल्ली,18 जनवरी 2025 (ए)।** आम आदमी पार्टी के नेशनल कन्वीनर और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर चुनाव से पहले हमला हो गया हैआप ने एक वीडियो जारी किया है. इसमें कहा गया है कि केजरीवाल की कार पर हमला हुआ है. केजरीवाल को काले झंडे दिखाए गए और पत्थर भी फेंके गए. आम आदमी पार्टी ने ङ्क पर एक पोस्ट शेयर किया है. इसमें कहा गया है कि बीजेपी हार के डर से बौखला गई है. बीजेपी ने अपने गुंडों से अरविंद केजरीवाल पर हमला करवाया है.आप ने आरोप लगाया कि बीजेपी प्रत्याशी प्रवेश वर्मा के गुंडों ने चुनाव प्रचार करते वक्त अरविंद केजरीवाल पर ईंट-पत्थर से हमला कर उन्हें चोट पहुंचाने की कोशिश की ताकि वो प्रचार ना कर सकें. आम आदमी पार्टी ने कहा कि बीजेपी वालों... तुम्हारे इस कायराने हमले से केजरीवाल जी डरने वाले नहीं है, दिल्ली की जनता तुम्हें इसका करारा जवाब देगी





## महाकुंभ में किन्नर अखाड़े की धूम

**भक्तों की सेल्फी की होड़ और अनोखे अंदाज में आशीर्वाद**

**प्रयागराज,18 जनवरी 2025 (ए)।** महाकुंभ 2025 में किन्नर अखाड़े का रंग-रूप और उनके बीच भक्तों की बढ़ती संख्या का अनोखा दृश्य देखने को मिल रहा है। संगम में स्नान के बाद, श्रद्धालु सीधे किन्नर अखाड़े में जाते हैं, जहां वे संतों का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं और साथ ही सेल्फी लेने की होड़ भी लगी रहती है।

**महामंडलेश्वर के दर्शन-**

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के शिविर में भक्तों का तांता लगा हुआ है। लोग लंबी कतारों में लगकर उनका आशीर्वाद ले रहे हैं और उनकी प्रेरणाओं से मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं।

**रौद्र रूप में किन्नर संत**

एक किन्नर संत ने त्रिशूल हाथ में पकड़े हुए रौद्र रूप में अपनी तस्वीर खिंचवाई, जो श्रद्धालुओं के बीच चर्चा का विषय बन गई।

**मनमोहक छवि**

अखाड़े में उपस्थित कई किन्नर संतों में से एक ने अपनी मनमोहक छवि से श्रद्धालुओं का दिल छुआ। उनकी शांति और आशीर्वाद देने वाली मुद्रा ने सबका ध्यान आकर्षित किया।

**किन्नर संत के साथ सेल्फी-**

अखाड़े में भक्तों का एक अलग ही आकर्षण किन्नर संतों के साथ सेल्फी लेने का है। एक संत ने किन्नर साध्वी के साथ सेल्फी खिंचवाई, जिसे श्रद्धालुओं ने खूब पसंद किया।



**आशीर्वाद की बारिश**

किन्नर अखाड़े की एक साध्वी ने अपने भक्तों पर इस अंदाज में आशीर्वाद बरसाया, जो सबको बेहद भाया। उनके आशीर्वाद से भक्तों की जिंदगी रोशन होती नजर आई।

**शिव के भव्य स्वरूप में किन्नर साध्वी**

माथे पर त्रिपुंड और रुद्राक्ष की माला पहने इस किन्नर साध्वी का भव्य रूप देखते ही बन रहा था। उनकी दिव्य उपस्थिति ने अखाड़े की समृद्धि को और भी बढ़ाया।

**हमारी भी तस्वीर-**

भक्तों के बीच सेल्फी का जबरदस्त क्रेज देखा गया। एक भक्त ने भी किन्नर संत के साथ तस्वीर खिंचवाने का मौका नहीं छोड़ा।

**शिव के डमरू के साथ किन्नर साध्वी-**

किन्नर अखाड़े की एक संत ने भगवान शिव के डमरू के साथ अपनी तस्वीर खिंचवाई, जो दर्शकों के बीच खास चर्चा का विषय बनी।



**तलवार और आशीर्वाद-**

एक किन्नर साध्वी ने हाथ में तलवार

लेकर भक्तों को आशीर्वाद दिया, जो शक्ति और भक्ति का संगम प्रतीत हो रहा था।

**अमृत स्नान में भागीदारी-**

किन्नर अखाड़े ने महाकुंभ के पहले शाही स्नान में भी भाग लिया था, जहां उनके अद्भुत रूप ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। महाकुंभ में किन्नर अखाड़े की यह छटा और उनके साथ भक्तों की बढ़ती संख्या महाकुंभ की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता को और भी दिलचस्प बनाती है।

# पंजाब में रेड करने गई पुलिस टीम पर निहंगों का हमला

**एसएचओ पर तलवार से वार; एसआई की 2 अंगुलियां कटी**

**लुधियाना,18 जनवरी 2025 (ए)।** पंजाब के लुधियाना में कार लूटने के मामले में रेड करने गई पुलिस टीम पर निहंगों ने हमला कर दिया। निहंगों के इस हमले में थाना सदर के स॥ह और पुलिस चौकी मराडो के इंचार्ज समेत 4 कर्मचारी घायल हो गए। निहंगों ने एसएचओ पर तलवार से वार किया जससे उनकी आंख के पास गहरा जख्म हो गया। जबकि इस हमले में चौकी इंचार्ज की 2 अंगुलियां कट गईं। जानकारी के मुताबिक घटनास्थल पर गोलीबारी भी हुई।

इस दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि बाकी हमलावर फरार हो गए। घायल अधिकारियों और कर्मचारियों को सिविल अस्पताल में भर्ती कर उनका उपचार किया जा रहा है। जानकारी के मुाबिक घटना शुक्रवार देर रात करीब सवा दस बजे की है। बता दें 4 दिन पहले 3 निहंगों ने गांव संगोवाल में एक व्यक्ति से बंदूक के दम पर ऑल्टो कार लूट ली थी। इस मामले में देर रात पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश के लिए गांव कमालपुर में रेड की।यहां पर पहले एक निहंग पुलिस को देखकर भागने लगा। फिर पुलिस ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान निहंग ने एसएचओ पर तलवार से वार कर दिया। जिन्हें बचाने के लिए चौकी इंचार्ज तरसेम सिंह आगे आए। इसी दौरान आरोपी निहंग ने अपने 10 से 12 साथियों को बुला लिया। सभी हमलावरों ने 4 पुलिस कर्मियों को घेर कर उन पर तलवारों से हमला कर दिया। पुलिस चौकी मराडो के इंचार्ज तरसेम ने कहा कि एक आरोपी को काबू कर लिया है। पुलिस टीम मामले की जांच कर रही है।

# पीएममोदी ने बांटे 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड

**12 राज्यों के 50,000 से ज्यादा गांव वर्चुअली जुड़े**

**नई दिल्ली ,18 जनवरी 2025 (ए)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड बांटे। इसमें 12 राज्यों के 50,000 से ज्यादा गांव शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 5 साल में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को ये स्वामित्व कार्ड दिए गए हैं।

पीएम मोदी वर्चुअल मोड में इस इवेंट में शामिल हुए। जिन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह कार्ड बांटे गए, उनमें से 230 जिलों के 50 हजार से ज्यादा गांव शामिल हैं।



लाभार्थियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन देश के गांवों के लिए, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुत ही ऐतिहासिक है। 5 साल पहले स्वामित्व योजना शुरू की गई थी ताकि गांवों में रहने वालों का उनका कानूनी प्रमाण दिया जा सके। बीते 5 साल में लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को ये स्वामित्व कार्ड दिए गए हैं। आज इस कार्यक्रम में 65 लाख से ज्यादा परिवारों को ये स्वामित्व कार्ड मिले हैं।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने क्लाइमेंट चेंज संबंधी चुनौतियों का भी जिक्र किया। बोले, 21 वीं सदी की दुनिया में क्लाइमेट चेंज, पानी की कमी, स्वास्थ्य का संकट, महामारी..ऐसी कितनी भी चुनौतियां हैं, लेकिन विश्व के सामने एक और बड़ी चुनौती रही है और ये चुनौती है- प्रॉपर्टी राइट्स की।कई साल पहले संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया के अनेक-अनेक देशों में भू-संपत्ति को लेकर एक स्टडी की थी। इस स्टडी में सामने आया कि दुनिया के अनेक देशों में लोगों के पास प्रॉपर्टी के पक्के कानूनी दस्तावेज है ही नहीं। संयुक्त राष्ट्र ने साफ कहा कि अगर गरीबी कम करनी है तो इसके लिए प्रॉपर्टी राइट्स होना बहुत जरूरी है।

# ऑक्सीजन सिलेंडर में हुआ ब्लास्ट,शरीर के उड़ गए चीथड़े

**पटना,18 जनवरी 2025 (ए)।** बिहार के पटना सिटी में दर्दनाक हादसा हो गया. यहां अगमकुआ इलाके में नर्सिंग होम के पास ऑक्सीजन सिलेंडर में जोरदार ब्लास्ट हो गया, जिससे अफरा-तफरी मच गई. इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं एक अन्य घायल हो गया है. हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जायजा लिया. पुलिस इस पूरे मामले की जांच में जुटी है. घटना नर्सिंग होम में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान प्रमोद के रूप में हुई है. सिलेंडर में



हुआ ब्लास्ट इतना जबरदस्त था कि नर्सिंग होम के शीशे और आसपास खड़े वाहनों के शीशे चकनाचूर हो गए. घटना के बाद कुछ लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया. स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी. इस मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और लोगों को शांत कराया. पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लेकर मौके से सबूत जुटाए हैं. इस बात की जांच की जा रही है कि आखिर सिलेंडर में ब्लास्ट किस वजह से हुआ. वहीं इस दर्दनाक घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि घटना के बाद हम लोगों को कुछ समझ नहीं आया कि क्या हुआ है. सिर्फ धुआं-धुआं दिख रहा था. नर्सिंग होम के शीशे टूटने की आवाज सुनाई दी थी. इसके कुछ देर बाद जब धुआं कम हुआ तो देखा कि एक व्यक्ति की मौत हो गई है. विस्फोट इतना भयानक था कि उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए थे. वहीं दूसरे व्यक्ति का पैर उड़ गया था.

## कांग्रेस को लगा बड़ा झटका, वरिष्ठ नेता आप में हुए शामिल

**नई दिल्ली,18 जनवरी 2025 (ए)।** दिल्ली में विधानसभा चुनाव से पहले किराड़ी क्षेत्र से कांग्रेस के कई नेताओं ने आप का दामन थाम लिया. इन्हें सीएम आतिशी ने आप की सदस्यता दिलाई. जिन नेताओं ने आप ज्वाइन की है वे किराड़ी में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष से लेकर जिला उपध्यक्ष तक रह चुके हैं और कुछ ने नगर निगम चुनाव भी लड़ा है. आप ज्वाइन करने वालों में एक बीजेपी के भी नेता हैं. सीएम आतिशी ने इन नेताओं को आप में शामिल करते हुए कहा, किराड़ी विधानसभा के कई नेता आप ज्वाइन कर रहे हैं. बनवारी लाल उपाध्याय जो कि 40 साल से कांग्रेस में रहे हैं जिला अध्यक्ष भी रहे हैं और पीसीसी डेलिगेट्स हैं. दो बार निगम चुनाव लड़ चुके हैं. मोहम्मद इसराम जी दो बार निगम का चुनाव लड़ चुके हैं।

## कांग्रेस सांसद ने झांसा देकर किया रेप

**कॉल रिकॉर्डिंग के आधार पर एफआईआर दर्ज**

**सीतापुर,18 जनवरी 2025 (ए)।** सीतापुर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद राकेश राठौर पर यौन शोषण के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। सीतापुर के पुलिस अधीक्षक चक्रेश मिश्रा ने बताया कि सीतापुर कोतवाली में एक पीड़िता ने 15 जनवरी को एक प्रार्थना पत्र दिया है, जिसमें बताया गया है कि कांग्रेस सांसद राकेश राठौर ने चार वर्षों से शादी का झांसा देकर और राजनीतिक करियर में सहायता देने के नाम पर पीड़िता का बलात्कार किया है। पीड़िता ने अपने कथन के समर्थन में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और अन्य कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराई है। पुलिस ने गहनता से अध्ययन किया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी की तरफ से लगातार धमकी दी जा रही है। पीड़िता और अभियुक्त सजातीय हैं। उन्होंने बताया कि उक्त प्रार्थना पत्र के आधार पर सीतापुर नगर कोतवाली में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। विवेचना के क्रम में साक्ष्य का संकलन कराया जा रहा है। पीड़िता का मेडिकल और न्यायाधीश के समक्ष बयान भी दर्ज कराया गया है। न्यायाधीश के सामने पीड़िता ने अपनी घटना की पुष्टि की है। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

## संपादकीय

# निजी डेटा पर व्यक्तियों के अधिकार

समस्या बनी रही यह समझ है कि सरकार को हर तरह के डेटा पर अपना स्वामित्व बनाने का प्रयास कर रही है। जबकि बेहतर यह होगा कि नया कानून बनाने के अवसर का उपयोग नागरिक अधिकारों के संरक्षण की अवधारणा के मुताबिक हो।केंद्र के डिजिटल निजी डेटा संक्षरण (डीपीडीपी) विधेयक प्रारूप को लेकर पैदा हुए अंदेशों के पीछे एक वजह तो वर्तमान सरकार के पुराने रिकॉर्ड से पैदा हुआ अविश्वास है। समाज के एक बड़े हिस्से में धारणा गहरे बैठी हुई है कि नरेंद्र मोदी सरकार नागरिक जीवन के हर पहलू पर शिकंजा कसना चाहती है। बहरहाल,धारणाओं को छोड़ दें और आम जन की राय मांगने के लिए सार्वजनिक किए गए प्रारूप पर ध्यान दें, तो भी ये नहीं लगता कि सरकार का मकसद निजी डेटा पर व्यक्तियों के अधिकार को मजबूती प्रदान करना है। बल्कि लगता है कि वह सारे डेटा पर अपना नियंत्रण अधिक मजबूत करना चाहती है। इसका एक प्रमुख पहलू डेटा को देश से विदेश ले जाने को नियंत्रित करना है। प्रावधान किया गया है कि जो कंपनियां यूजर्स डेटा हासिल करती हैं, उन्हें देश का डेटा देश के अंदर ही रखना होगा। हालांकि सरकार की तरफ से यह सफाई भी दी गई है कि इस प्रावधान को सिर्फ कुछ जरूरी मामलों में लागू किया जाएगा। वे मामले कौन-से होंगे, इसका निर्णय संबंधित मंत्रालय करेंगे। आज दुनिया भर में ट्रेंड डेटा को देश में रखने के लिए कंपनियों को मजबूर करने का है। मगर उसके साथ ही डेटा पर पहला अधिकार संबंधित व्यक्ति का है, यह सिद्धांत भी तेजी से स्वीकार्यता हासिल करता गया है। मगर भारतीय प्रारूप में इस निर्णय का अधिकार सरकार हासिल करती दिखती है।एक अन्य प्रमुख प्रावधान बच्चों के इंटरनेट उपयोग से पहले माता-पिता की स्वीकृति को अनिवार्य बनाना है। यह कैसे होगा, इसकी जिम्मेदारी डेटा हासिल करने वाली कंपनियों पर डाल दी गई है। कंपनियों के मुताबिक यह बेहद मुश्किल काम है। कई विकसित देशों में भी इसे सुनिश्चित करना कठिन बना रहा है। वैसे इस प्रावधान के पीछे मकसद अच्छा है। लेकिन कुल समस्या प्रारूप को लेकर बन रही यह समझ है कि इसके जरिए सरकार को हर तरह के डेटा पर अपना स्वामित्व बनाने का प्रयास कर रही है। जबकि बेहतर यह होगा कि नया कानून बनाने के इस अवसर का उपयोग नागरिक अधिकारों के संरक्षण की अवधारणा के मुताबिक हो।

# महान गणितज्ञ लियोनहार्ड यूलर का योगदान

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

आज विज्ञान में जितने भी खोज या आविष्कार हुए है उसमें कहीं ना कहीं पूर्व के वैज्ञानिक के शोध के कारण है ऐसा ही यूलर समीकरण का गणित में खोज है जिसकी आज आर्टिफिशल इंटेलजेंसी में उपयोग हो रहा है लियोनहार्ड यूलर 17 वीं शताब्दी के वैज्ञानिक थे,यूलर एक स्विस गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी थे, जिन्हें शुद्ध गणित के संस्थापकों में से एक के रूप में जाना जाता है। लियोनहार्ड यूलर का जन्म 15 अप्रैल, 1707, बेसल, स्विटज़रलैंड में हुआ , यूलर एक स्विस गणितज्ञ और भौतिक विज्ञानी थे, जो शुद्ध गणित के संस्थापकों में से एक थे। उन्होंने न केवल ज्यामिति, कलन, यांत्रिकी और संख्या सिद्धांत के विषयों में निर्णायक और रचनात्मक योगदान दिया, बल्कि अवलोकन संबंधी खगोल विज्ञान में समस्याओं को हल करने के लिए तरीके भी विकसित किए और प्रौद्योगिकी में गणित के उपयोगी अनुप्रयोगों की खोज किया। उनके अध्ययन के विषय में चंद्रमा कलन द्विघात पारस्परिकता कानून अंतरिक्ष गति तीन-शरीर समस्या,आदि पर केंद्रीत था यूलर की गणितीय क्षमता ने उन्हें उस समय यूरोप के पहले गणितज्ञों में से एक जोहान बर्नौली और उनके बेटों डैनियल और निकोलस का सम्मान दिलाया। 1727 में वे सेंट पीटर्सबर्ग चले गए, जहाँ वे सेंट पीटर्सबर्ग एकेडमी ऑफ़ साइंसेज के वैज्ञानिक बन गए और 1733 में गणित के अध्यक्ष के रूप में डैनियल बर्नौली के उत्तराधिकारी बने। अकादमी को प्रस्तुत अपनी अनेक पुस्तकों और संस्मरणों के माध्यम से, यूलर ने समाकलन कलन को पूर्णता के उच्च स्तर तक पहुँचाया, त्रिकोणमितीय और लघुगणकीय कार्यों के सिद्धांत को विकसित किया, विश्लेषणात्मक संक्रियाओं को अधिक सरल बनाया, तथा शुद्ध गणित के लगभग सभी भागों पर नई रोशनी डाली। खुद पर अत्यधिक बोझ डालने के कारण, 1735 में यूलर की एक आँख की दृष्टि चली गई। फिर, 1741 में फ्रेडरिक द ग्रेट द्वारा आमंत्रित किए जाने पर, वे बर्लिन अकादमी के सदस्य बन गए, जहाँ 25 वर्षों तक उन्होंने लगातार प्रकाशन किए, जिनमें से कई का योगदान उन्होंने सेंट पीटर्सबर्ग अकादमी को दिया, जिसने उन्हें पेंशन प्रदान की। सभी कलन के समीकरणों में यूलर की पहचान को सभी समकलन के गणितीय समीकरणों में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है, जो अलग-अलग मूलभूत मात्राओं को एक गणितीय सूत्र में जोड़ता है। 1748 में, अपने इंट्रोडक्टियो इन एनालिसिस इनफिनिटोरम में, उन्होंने गणितीय



विश्लेषण में फ़ंक्शन की अवधारणा विकसित की, जिसके माध्यम से चर एक दूसरे से संबंधित होते हैं और जिसमें उन्होंने अनंत और अनंत मात्राओं के उपयोग को आगे बढ़ाया। उन्होंने आधुनिक विश्लेषणात्मक ज्यामिति और त्रिकोणमिति के लिए वही किया जो यूक्लिड के तत्वों ने प्राचीन ज्यामिति के लिए किया था, और गणित और भौतिकी को अंकगणितीय शब्दों में प्रस्तुत करने की परिणामी प्रवृत्ति तब से जारी है। उन्हें प्राथमिक ज्यामिति में परिचित परिणामों के लिए जाना जाता है - उदाहरण के लिए, ऑर्थोसेंटर (एक त्रिभुज में ऊँचाई का प्रतिच्छेदन), परिधि (एक त्रिभुज के परिबद्ध वृत्त का केंद्र), और एक त्रिभुज के बैरीसेंटर (गुरुत्वाकर्षण का केंद्र, या सेंट्रोइड) के माध्यम से यूलर रेखा। वे त्रिकोणमितीय कार्यों - यानी, त्रिभुज की दो भुजाओं के साथ कोण का संबंध - को ज्यामितीय रेखाओं की लंबाई के बजाय संख्यात्मक अनुपात के रूप में मानने और तथाकथित यूलर पहचान ($ei\theta = \cos\theta + i\sin\theta$) के माध्यम से उन्हें सम्मिश्र संख्याओं (जैसे, $3 + 2\sqrt{-v}$ का वर्गमूल) के साथ जोड़ने के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने ऋणात्मक संख्याओं के काल्पनिक लघुगणक की खोज की और दिखाया कि प्रत्येक सम्मिश्र संख्या में अनंत संख्या में लघुगणक होते हैं। यूलर की कैलकुलस की पाठ्यपुस्तकें, 1755 में इंस्टिट्यूशन्स कैलकुली डिफरेंशियलिस और 1768-70 में इंस्टिट्यूशन्स कैलकुली इंटीग्रलिस, वर्तमान समय में प्रोटोटाइप के रूप में काम कर रही हैं क्योंकि उनमें विभेदन के सूत्र और अनिश्चित एकीकरण की कई विधियाँ हैं, जिनमें से कई का आविष्कार उन्होंने खुद किया था, जो किसी बल द्वारा किए गए कार्य को निर्धारित करने और ज्यामितीय समस्याओं को हल करने के लिए हैं, और उन्होंने रैखिक अंतर समीकरणों के सिद्धांत में प्रगति की, जो भौतिकी में समस्याओं को हल करने में उपयोगी हैं। इस प्रकार, उन्होंने गणित को पर्याप्त नई अवधारणाओं और तकनीकों से समृद्ध किया। उन्होंने कई मौजूदा संकेतन पेश किए, जैसे योग के लिए $\Sigma$; प्राकृतिक लघुगणक के आधार के लिए प्रतीक $e$; त्रिभुज की भुजाओं के लिए $a$, $b$ और $c$ और विपरीत कोणों के लिए $A$, $B$ और $C$; फ़ंक्शन के लिए अक्षर $f$ और कोष्ठक; और $\sqrt{-v}$ के वर्गमूल के लिए $i$। उन्होंने वृत्त में परिधि और व्यास के अनुपात के लिए प्रतीक $\Pi$ (ब्रिटिश गणितज्ञ विलियम जोन्स द्वारा तैयार) के उपयोग को भी लोकप्रिय बनाया। फ्रेडरिक द ग्रेट के उनके प्रति कम सौहार्दपूर्ण होने के बाद, 1766 में यूलर ने कैथरीन II के रूस लौटने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचने के तुरंत बाद, उनकी बची हुई अच्छी आंख में मोतियाबिंद हो गया, और उन्होंने अपने जीवन के अंतिम वर्ष पूर्ण अंधेपन में। इस त्रासदी के बावजूद, उनकी उत्पादकता में कोई कमी नहीं आई, जो एक असामान्य स्मृति और मानसिक गणनाओं में एक उल्लेखनीय सुविधा द्वारा बनाए रखी गई थी। उनकी रुचियाँ व्यापक थीं, और 1768-72 में उनके लेट्रेस ए अन प्रिंसेस डी एलमेग्ने यांत्रिकी, प्रकाशिकी, ध्वनिकी और भौतिक खगोल विज्ञान के बुनियादी सिद्धांतों का एक सराहनीय स्पष्ट विवरणकिया था। कक्षा में शिक्षक नहीं होने के बावजूद, यूलर ने खुद से पढ़ा और आज भी किसी भी आधुनिक गणितज्ञ की तुलना में अधिक व्यापक शैक्षणिक प्रभाव जो शोध से जुड़ा है । उनके कुछ शिष्य ने रूस में गणितीय शिक्षा की स्थापना में मदद की। यूलर ने चंद्र गति के एक अधिक परिपूर्ण सिद्धांत को विकसित करने के लिए काफी ध्यान दिया, जो विशेष रूप से परेशानी भरा था, क्योंकि इसमें तथाकथित तीन-शरीर समस्या शामिल थी - सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी की परस्पर क्रिया। (समस्या अभी भी अनसुलझी है।) 1753 में प्रकाशित उनके आंशिक समाधान ने ब्रिटिश एडमिरल्टी को चंद्र तालिकाओं की गणना करने में सहायता की, जो समुद्र में देशांतर निर्धारित करने के प्रयास में उस समय महत्वपूर्ण थी। उनके अंधेपन के वर्षों में एक उपलब्धि यह थी कि उन्होंने 1772 में चंद्र गति के अपने दूसरे सिद्धांत के लिए अपने दिमाग में सभी जटिल गणनाएँ कीं। अपने पूरे जीवन में यूलर संख्याओं के सिद्धांत से संबंधित समस्याओं में बहुत अधिक लीन रहे, जो पूर्णांकों या पूर्ण संख्याओं ($0, \pm1, \pm2$, आदि) के गुणों और संबंधों का इलाज करता है; इसमें, 1783 में उनकी सबसे बड़ी खोज, द्विघात पारस्परिकता का नियम था, जो आधुनिक संख्या सिद्धांत का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। संश्लेषणात्मक तरीकों को विश्लेषणात्मक तरीकों से बदलने के अपने प्रयास में, यूलर के बाद जोसेफ-लुई लैग्रेंज ने सफलता प्राप्त की। लेकिन, जहाँ यूलर कुछ मामलों में प्रसन्न थे, वहीं लैग्रेंज ने अमूर्त सामान्यता की तलाश की, और, जबकि यूलर ने विचलन श्रृंखला में शोध किया, लैग्रेंज ने एक ठोस आधार पर अनंत प्रक्रियाओं को स्थापित करने का प्रयास किया। इस प्रकार यह है कि यूलर और लैग्रेंज को एक साथ 18वीं शताब्दी के सबसे महान गणितज्ञों के रूप में माना जाता है, यूलर उत्पादकता में समस्याओं को हल करने के लिए एल्गोरिदमिक व कम्प्यूटेशनल प्रक्रियाओं के कुशल और कल्पनाशील वैज्ञानिक है।उनकी मृत्यु 18 सितंबर, 1783, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस में आयु 76 वर्ष की आयु में हुई लेकिन आज भी गणित में कम्प्यूटेशनल प्रक्रियाओं उनके समीकरण का उपयोग किया जा रहा है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

# परमाणु हथियारों के अवैधानिक हस्तांतरण

पाकिस्तान के परमाणु बम के निर्माता अब्दुल कादिर खान के बारे में कहा जाता है कि इस शख्स ने परमाणु बम बनाने की तकनीक को उन देशों तक पहुंचा दिया जहां से आतंकवादी संगठन, आपराधिक समूह या अन्य अस्थिर समूह परमाणु सामग्री का उपयोग करके पूरी दुनिया में विनाशकारी हमले कर सकते हैं।सीआईए के पूर्व निदेशक जॉर्ज टेनेट ने एक बार कहा था कि खान उतना ही खतरनाक है, जितना कि ओसामा बिन लादेन। अब्दुल कादिर खान अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उन्होंने लीबिया, उत्तर कोरिया, ईरान जैसे अस्थिर और अधिनायकवादी देशों को परमाणु तकनीक और सामग्रियों का अनधिकृत हस्तांतरण करके वैश्विक सुरक्षा को संकट में डाल दिया। डॉ. खान ने 1990 के दशक के अंत से 2003 तक लीबिया को गुप्त रूप से सेंट्रीफ्यूज प्लांट और परमाणु हथियार डिजाइन की आपूर्ति की जिससे वहां हथियार कार्यक्रम बनाने में मदद मिल सके। उन्होंने 1990 के दशक में उत्तर कोरिया और ईरान को सेंट्रीफ्यूज तकनीक भी हस्तांतरित की थी। 1990 में ही खान की परमाणु प्रयोगशाला ने कथित तौर पर इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को पत्र भेजा था जिसमें परमाणु सेंट्रीफ्यूज बनाने में सहायता की पेशकश थी।एक बार फिर पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठान से जुड़े घटनाक्रम पर दुनिया की नजर है। दरअसल, ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिनमें दावा किया गया है कि पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर सक्रिय आतंकी समूह तहरीक-ए-तालिबान ने कुछ पाकिस्तानी वैज्ञानिकों का अपहरण कर लिया है। इन परमाणु वैज्ञानिकों का अपहरण खैबर पख्तूनख्वा से किया गया है। पाकिस्तान की सेना, आईएसआई और वहां की सरकार की विसनीयता को लेकर अमेरिका समेत दुनिया भर में अविश्वास रहा है लेकिन इसके बावजूद इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता



कि दुनिया भर के आतंकी संगठन परमाणु बम बनाने की तकनीक प्राप्त करना चाहते हैं, इनमें अल-कायदा और आईएस का नाम सबसे ऊपर है। कम से कम दो पाकिस्तानी परमाणु वैज्ञानिकों ने 2000-01 में अल-कायदा के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी, हालांकि अभी तक साबित नहीं हो पाया है कि उन्होंने परमाणु संबंधी जानकारी साझा की थी। पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को लेकर वैश्विक चिंताएं रही हैं। 2008 में अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद अलबरदेई ने पाकिस्तान के परमाणु हथियारों के बारे में अपनी आशंकाएं व्यक्त की थीं लेकिन पाकिस्तान ने उनकी चिंताओं को खारिज कर दिया और दोहराया था कि उसका परमाणु शस्त्रागार सुरक्षित है। पाकिस्तान में परमाणु प्रतिष्ठानों और हथियारों की सुरक्षा वर्ष 2000 से देश के प्रमुख परमाणु संस्थान राष्ट्रीय कमान प्राधिकरण (एनसीए) के एकीकृत नियंत्रण में है, जो दस सदस्यीय निकाय है। इसमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष, रक्षा, आंतरिक और वित्त मंत्री, सामरिक योजना प्रभाग के महानिदेशक और सेना, वायुसेना और नौसेना के कमांडर शामिल हैं। परमाणु तैनाती के बारे में निर्णय लेने की शक्ति एनसीए के पास है। इसके अध्यक्ष, जो पाकिस्तान के राष्ट्रपति हैं, अंतिम वोट देते हैं। सेना, वायुसेना और नौसेना में से प्रत्येक के पास एक सामरिक बल कमान है, जो परमाणु हथियारों के उपयोग की योजना, नियंत्रण और निर्देशों के लिए जिम्मेदार है। सामरिक योजना प्रभाग एनसीए के सचिवालय के रूप में कार्य करता है। परमाणु क्षमता के विकास एवं प्रबंधन का प्रभारी है और दिन-प्रतिदिन नियंत्रण रखता है। पाकिस्तान में फौज का सभी संस्थानों पर गहरा नियंत्रण है, और सेना के अधिकारियों की जवाबदेही को लेकर वहां कोई स्वतंत्र और पारदर्शी निकाय काम नहीं करता है।यह भी दिलचस्प है कि पाकिस्तान के प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने पाकिस्तान की सेना पर यूरेनियम की चोरी को ईरान को तस्करी के बड़े षड्यंत्र के तहत अंजाम देने का आरोप लगाया है। मिर्जा ने दावा किया है कि पाकिस्तान की सेना लंबे समय से गुप्त रूप से परमाणु प्रौद्योगिकी बेचती रही है, जिससे वैश्विक सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से इस घटना की स्वतंत्र जांच की अपील की है। पछले साल जुलाई में खैबर पख्तूनख्वा गृह विभाग ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक यात्रा सलाह जारी की थी, जिसमें बढ़तीं आतंकी गतिविधियों के कारण टैंक, डेरा इस्माइल खान, लक्की मारवात और बन्नू जैसे क्षेत्रों में बढ़ते जोखिमों की चेतावनी दी गई थी।

-डॉ. ब्रह्मदीप अलूने-

## कविता
### रहकर देखो कभी कच्चे मकानों में

घटती-घटना
रवीन्द्र कुमार शर्मा
बिलासपुर,हिमाचलप्रदेश

रह कर देखो कभी कच्चे मकानों में
क्या रखा है तपते मैदानों में
घूम कर देखो कभी सुनसान वीरानों में
करवटें लेते रहते हो पक्की हवेलियों में
रह कर देखो कभी कच्चे मकानों में
कण कण गर्मी से झुलस रहा
घूमने आ जाओ कभी पहाड़ों में
गर्मी में तो लगता स्वर्ग जैसा यहां
बहुत आनंद आता यहां जाड़ों में
गर्मी में जब हर तरफ बरसती है आग
घने जंगल देते यहां शीतल ठंडी हवा
पहाड़ों पर मिलता है अजीब सा सकूँ
कल-कल बहती नदियां
झरने लगती जैसे कोई दवा
पेड़ों से गिरते पत्ते खड़ खड़ करते आवाज
कुदरत मानो बजा रही कोई अद्भुत साज
भीनी-भीनी आती उपवन से
फूलों की खुशबू
देखने को मिलता
प्रकृति का अलग ही अंदाज़
कच्चे घर में जहां होता था
विश्वास और प्यार भरा
वहीं पक्के घरों में रहता है इंसान डरा डरा
रहना चाहते हैं एक दूसरे से दूर
सूख रहा रिश्तों का पेड़
जो रहता था कभी हरा भरा

# भासा (भाखा,भाषा)



मदन मंडावी
ढारा (करेला) डोंगरगढ़
छत्तीसगढ़

भासा जीनगी ले जुरे अंग आय, जेन मइनखे ले दुरिहा होब्बे नइ करे। भासा आदमी के सुख - दुख ल जाने,समझे के काम आथे, फेर आजकल झगरा लड़ाए के काम आवत हे। एक अंदाजन बताए जाथे कि दुनिया मा बोली ल संघेर के 6500 (छे हजार पान सो) तक के भासा बोले जाथें। जेमा भारत देश मा तकरीबन 1600 के आसपास भासा ल बोलथें। माने एक तिहाई भाषा ल हमर भारत देश के मन बऊरत हें।* भासा कोनो जाति धरम के नइ होवय ओ परिवेस मा रहइया मइनखें मनके होथे। असल मा मुहूँ ले निकले बोलिच ह भासा आय।

भासा के तीन रुप माने गेहे ढ्बोलके, लिखके अउ ईसारा ले। आदमी हर कोनो संग नइ बोलही अइसन होबे नइ करे। एकठन कहावत हे ढ्हड़िया के मुहूँ मा तो परई ल ढंक लेबे, फेर मइनखे के मुहूँ मा काला ढांकबे..। सवभाव मा दुठक बोली ल परखथें (1) टांठ बोली (2) गुरतुर (मीठ) बोली। अउर एक साँच बोली हे जेनहर जहर करू लगथे, जेकर तीर मनखे ओधना पसंद नइ करे। गुरतुर बोली बड़ सुहाथे। मीठ-मीठ बोली मा मइनसें मोहा जाथे, फेर जादा मीठ मा कीरा घलोक परथे। टांठ बोली ले जादा मनखेमन मीठ बोली मा अरहझथें, जेन धोखा खाथे तेनमन बोलथें मीठ लबरा हे। अधिकांस गुरतुर बोली -भाखा ल मनखे अपन काम -बुता ल सरकाय बर बोलथें। कुछ भासा हा सवभाव मा झलकथे, कुछ भासा बेरा बखत मा बदल जथे। तोला बात करेके तमीज नइ हे का..,कइसे टेंचरही-टेंचरही गोठियाथस। ओकर भाखा ला परखे हो बड़ ठसन मारके गोठियाथे। कुछ मनखें तो डर के मारे नइ बोले त कुछ्हर पोल - पट्टी,दोष उजागर झन हो जाए कहीके नइ बोले। एकदम गोंजवच...जोजवच...मिटकाहाच मइनखे हे। ओ तो एकदम लपरहा हे...बड़ चाँटे असन गोठियाथे। रंग - रंग के गोठ आथे ओला गा...एकदम लरचट्टा असन लगथे। तोर तो मुंहु गोठियाय बर खजुवात रइथे...। ओकर भासा ल सुनके मनखे ढाड़ सुखागे। अतेर सुख -दुख के बेरा मा जरे जुबान नइ बोलिस गा..कइसनेच ढंग के मइनखे होहि भई। त कोनो काहत हे हाड़हुड़ कुछ बी बोल देथस..एकदम वो बोलथे ना, त करेजा ला बान मारेकस लगथे। कोनो धीरलगहा गोठियाथे, ओकर बाते म बड़ राज हे। का तोला डरहे के बोल नइ सकत हस.?, खुलके बोलना जी का बोलना हे..। इहाँ भीख मांगे अउ वोट मांगे के बोली भाखा तको हे। नेतामन सीना ठोंकके, जांघ ठठाके बोलथे। मोला ओकर भासा बने लगथे गा.. मोला ओकर भासच पसंद नइ आवय। ओकर कहे मुताबिक रद्दा बदलगे.. ओकर बात मा आके हमन झपागेन। ते मार खाएक लईक झन बोले कर ना.. एकदम थोथना ला उतारके झन बोलेकर ना यार..। ओकर से मिलके मोर जोस बढ़गे , ओकर गोठबात ल सुनके मोर जोसे उतरगे। ओकर बाते ल सुनके सब चक खागे...ओहर अइसन नइ बोलतिस ते झगरा नइ माततिस। महिला मनके झगरालू, बिखहर भासा ढ्तोर मुहूँ मा कीरा परे, तोर मुहूँम आगी लगाव..। भासा के भाव तको हे खुसामद (चाटुकारिता) के भासा अधिकार के भासा, अमीर - गरीब, मेहनतिया मनके भासा, सुख -दुख के भासा। समय के हिसाब ले बोलेल परथे, वो तो अपन बोलिच मा पइसा कमाथे। बोलेच बोल मा अंतर हे.. बोलेच मा का हो जाही, करके देखाही ता। मोला ओकर भासा समझे नइ आवय.. त का उर्दू, अंगरेजी बोलथे ?

*बोलेल आना चाहि जबान वाले के गदही बेंचा जथे बिन जुबान वाले के घोड़ा तक भरे बजार मा नइ बेंचावय ।* माने जिनगी म भासा के बड़ महत्ता हे..!

फेर चाहे तैं कइसनो बोल गोठियाले, जेला जइसनेच के समझना हे,तइसनेच समझथे। भासा ले जादा समझ के होथे..त समझके बोलना चाहि । काय समझथे तोला.. तोला कुच्छु नइ समझे, ता तोर भासा के कोनो मतलबे नइ हे। जिहाँ आदमी सोंच- बिचार के बइठे हे उहाँ कोनो भासा काम नइ आए। भासा हर ऊँच-नीच हो सकत हे, समझइया बर तो ईसारा काफी हे। मइनखे गंजअकन भासा ल जानथें, समझथें त समस्या काबर आथे...? आखिर मा काय सोंचत हस तेला अपन भासा मा बता यार.....।।

# बेरोजगारी और भी बढ़ेगी

इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने एक साल पहले युवाओं को हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दी थी और अब निर्माण कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के अध्यक्ष एस. एन. सुब्रमण्यम ने अपने कर्मचारियों से कहा है कि कामगारों को हफ्ते में 90 घंटे काम करने को तैयार रहना चाहिए। इतने पर ही नहीं रु के, आगे कहा कि एक्स्ट्रा रिजल्ट के लिए एक्स्ट्रा काम करना होगा और इसके लिए रविवार को भी काम करना चाहिए। आखिर, घर में रह कर मजदूर बीवी का मुंह कितनी देर तक निहारते रहेंगे। अदानी ग्रुप के अध्यक्ष गौतम अदानी ने भी उनकी बातों का समर्थन करते हुए कहा कि अगर काम ही नहीं रहा तो बीवी घर से भाग जाएगी और फिर क्या होगा? एल एंड टी के चेयरमैन के बयान के बाद देश में फिर से मजदूरों के काम के घंटे को लेकर बहस शुरू हो गई है। कॉरपोरेट जगत के अंदर भी इसका विरोध हो रहा है। आरपीजी ग्रूप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने एल एंड टी चेयरमैन के बयान की आलोचना करते हुए कहा, एक हफ्ते में 90 घंटे काम? रविवार को सन-ड्यूटी' क्यों न कहा जाए और छुट्टी' को एक मिथकीय अवधारणा क्यों न बना दिया जाए! वर्क-लाइफ बैलेंस वैकल्पिक नहीं, बल्कि जरूरी है। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि जब भारत में पहले से ही लोग सबसे ज्यादा काम करते हैं, तो क्यों कामगारों के घंटे बढ़ाने की बात उठती रहती है? अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की 2024 की रिपोर्ट के



अनुसार दुनिया की 10 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारतीय सबसे ज्यादा काम करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्रति सप्ताह 46.7 घंटे, चीन में 46.01, ब्राजील में 39, अमेरिका में 38, जापान में 36.6, इटली में 36.3, ब्रिटेन में 35.5, फ्रांस में 35.9, जर्मनी में 34.2 और कनाडा में 32.5 घंटे मजदूरों से काम कराया जाता है। इन आंकड़ों के बावजूद भारत में काम के घंटे बढ़ाने के लिए जब-तब शिगूफा छोड़ा जाता रहा है।सच तो यह है कि पूरी बहस को इसलिए संचालित किया जा रहा है ताकि मोदी सरकार द्वारा मार्च, 2025 में लाए जाने वाले लेबर कोड, जिसमें काम के घंटे 12 कर दिए जाने हैं, की सामाजिक स्वीकृति हासिल की जा सके। इसके लिए बीच-बीच में इस तरह की चर्चाएं शुरू करवाने का ताना-बाना बुना जाता है। सच तो यह है कि दुनिया में काम के घंटे बढ़ाने के तकरे के विरुद्धी आर्टफिशियल इंटेलीजेंस के दौर में काम के घंटे कम करने की कवायद- कार्रवाई हो रही है। तमाम देशों में सप्ताह में चार दिन काम की पद्धति शुरू हुई है।जूम के मालिक एरिक युवान जैसे एआई इनोवेटर्स का मानना है कि एआई हर कंपनी के लिए चार दिन का कार्यसप्ताह हासिल करने की कुंजी होगा। उनके अनुसार चार दिन के वर्किंग में 92 प्रतिशत की सफलता दर है। जापान जैसे देशों में काम के घंटे लगातार कम किए जा रहे हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, जहां जापान में वर्ष 2000 में 1839 घंटे सालाना काम के थे वहीं उसे 2022 में घटा कर 1629 घंटे सालाना कर दिया गया। इससे लगभग वार्षिक काम के घंटे में 11.6 प्रतिशत की गिरावट आई। बेल्जियम, आइसलैंड, यूएई, स्पेन और नीदरलैंड जैसे देशों में चार दिन के कार्य दिवस सप्ताह में कर दिए गए हैं। जापान की रिक्रूट वर्क्?स इंस्टिट्यूट के विश्लेषक ताकाशी सकामोटो के निष्कर्ष के अनुसार, देश में अब कई यूरोपीय देशों की तरह काम के घंटे कम किए जा रहे हैं। ऑटोनॉमी की एक रिपोर्ट के अनुसार,आर्टफिशियल इंटेलिजेंस आने के बाद ब्रिटेन में 88 प्रतिशत कंपनियां अपने कर्मचारियों के काम के घंटे 10 प्रतिशत तक कम कर रही हैं यानी कुल मिला कर कहा जाए तो दुनिया में काम के घंटे कम करने की दिशा में काम हो रहा है वहीं भारत, जहां पहले से ही काम के घंटे ज्यादा हैं, में उन्हें बढ़ाने की वकालत की जा रही है। दरअसल, देश में भीषण बेरोजगारी और महंगाई में मजदूरों की मजबूरी का फायदा उठा कर काम के घंटे 12 करने का कानून बनाया जा रहा है। दुखद यह है कि इस सबसे उत्पादन क्षमता पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है।संवैधानिक दृष्टि से देखें तो काम के घंटे बढ़ाने को जो कुछ भी किया जा रहा है, वह स्पष्ट तौर पर भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21, 42 और 43 का उल्लंघन है। हमारे संविधान की प्रस्तावना में ही व्यक्ति की गरिमा की बात कही गई है, जिसकी मौलिक अधिकार और नीति-निर्देशक तत्वों में व्याख्या की गई है। अनुच्छेद 42 जहां काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं के लिए राज्य की जवाबदेही तय करता है वहीं अनुच्छेद 43 मजदूरों को काम, निर्वाह मजदूरी, शिष्ट जीवन स्तर और अवकाश की संपूर्ण उपभोग सुनिश्चित करने वाली काम की दशाएं, सामाजिक और सांस्कृतिक अवसर प्राप्त करने के लिए राज्य को जिम्मेदार बनाता है।ïï आर्टफिशियल इंटेलीजेंस के दौर में जब दुनिया बड़े पैमाने पर बेरोजगारी के खतरे को महसूस कर रही है, तब भारत में काम के घंटे बढ़ाने के कारण बेरोजगारी और भी बढ़ेगी, यह तय है।

-कुमार समीर-

## कविता
### सच्चे दोस्त



घटती-घटना
जयंती खूंटे
कृष्णा चौहान
सारंगढ़, छत्तीसगढ़

कुछ दोस्त अनमोल होते हैं,
दूर रहकर भी पास होते हैं!
जो पराये होकर भी,
अपने होते हैं!
हमारे सुख दुःख में,
हमेशा काम आते हैं!
जीवन में आगे बढ़ने के लिए,
मोटिवेट करते हैं!
बीमार रहते हैं तो,
हाल चाल पूछते हैं!
भावनाओं को जो,
समझ जाते हैं!
अजनबी होकर,
अपने बन जाते हैं!
कुछ दोस्त अनमोल होते हैं,
दूर रहकर भी पास होते हैं!

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

# महामाया पहाड़ से हटेगा अतिक्रमण,विभाग ने 182 लोगों को नोटिस देकर 24 घंटे का दिया समय

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण का मुद्दा पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है। वर्ष 2022 में भाजपा नेता आलोक दुबे ने महामाया पहाड़ पर अवैध अतिक्रमण किए जाने का मुद्दा उठाया था। मामले की जांच में 468 लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की पुष्टी हुई थी। वहीं 60 अतिक्रमणकारियों को बेदखली की नोटिस भी जारी किया गया था। पर वोट बैंक की राजनीतिक के कारण अतिक्रमण नहीं हटाया गया था।

मां महामाया मंदिर के ऊपर महामाया पहाड़ है। यहां स्थानीय व बाहरी लोगों द्वारा पिछले कुछ सालों से अतिक्रमण किया गया है। खैरबार, बधियाचुआं और नवागढ़ इलाके से लगे इस वन क्षेत्र में वर्षों से अवैध कब्जे की शिकायत पर वर्ष 2017 में जांच के बाद 60 कब्जाधारियों को बेदखली का नोटिस जारी किया था। पर

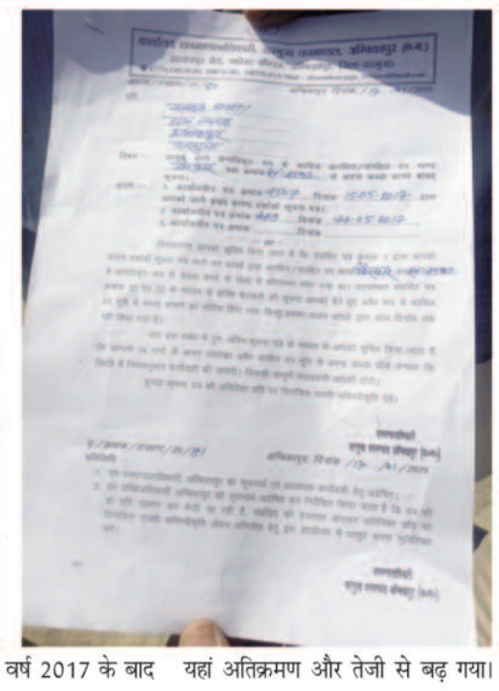

राजनीतिक दबाव के कारण अतिक्रमण नहीं हटाया गया था। वर्ष 2017 के बाद यहां अतिक्रमण और तेजी से बढ़ गया। वर्ष 2022 में भाजपा नेता आलोक दुबे ने एक बार फिर अतिक्रमण का मामला उठाया था। शिकायत पर जिला प्रशासन ने मामले की जांच कराई थी। जांच में 468 लोगों द्वारा अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आई थी। वहीं विभाग ने 60 लोगों को बेदखली की नोटिस भी जारी किया था। इनका अतिक्रमण हटाने विन विभाग द्वारा फोर्स की मांग की गई थी पर राजनीतिक दबाव के कारण वर्ष 2022 में अतिक्रमण नहीं हट पाया था। इसके बाद वर्ष 2023 में प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद भी आलोक दुबे ने मां महामया पहाड़ पर अतिक्रमण की शिकात मुख्यमंत्री के समक्ष की थी।

15 जनवरी को प्रदेश के वन मंत्री केदार कश्याम सरगुजा प्रवास पर थे। वन मंत्री ने वन विभाग के संभागीय बैठक ली थी। बैठक में डीएफओ से महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण खाली नहीं कराए जाने की बात पूछी। इस पर मंत्री ने डीएफोओ को कड़ी फटकार भी लगाई थी। मंत्री ने हर हाल में 60 घरों को तोडने के निर्देश डीएफओ को दिए थे। उन्होंने इसके लिए डीएफओ को अप्रैल तक का समय दिया है।

## नोटिस से लोगों में हडक़ंप

वन मंत्री के कड़ी फटकार व अलिटीमेटम के बाद वन विभाग हरकत में है। निर्देश के दूसरे दिन ही वनमंडलाधिकारी ने अतिक्रमण कारियों को नोटिस थमाते हुए खाली करने के निर्देश दिए हैं। वनमंडलाधिकारी ने 182 लोगों को नोटिस दिया है। इसके लिए विभाग ने 24 घंटे का समय दिया है। वहीं नोटिस मिलने के बाद अतिक्रमणकारियों में हडक़ंप है। 60 ऐसे अतिक्रमणकारी हैं जिन्हें बेदखली की नोटिस वर्ष 2022 में दिया गया था। ये सभी अपने बचाव में हाईकोर्ट तक भी गए थे। पर हाईकोर्ट से भी इन्हें राहत नहीं मिली थी। वहीं पहले चरण में इन 60 घरों को तोड़ा जाएगा। सूत्रों के अनुसार 3 दिन के अंदर विभाग द्वारा इनका अतिक्रमण खाली करा दिया जाएगा। महामाया पहाड़ पर अतिक्रमण को लेकर भाजपा नेता आलोक दुबे की शिकायत पर तत्कालीन डीएफओ सरगुजा वनमंडल ने महामाया पहाड़ का सर्वे कराया था। सर्वे में कक्ष क्रमांक 2581 और 2582 में कुल 468 लोगों का अवैध कब्जा पाया गया था। उन्हें भी नोटिस जारी किया गया था। राजनैतिक दबाव के कारण वन विभाग भूमि से अतिक्रमण खाली नहीं करा पाए था। महामाया पहाड़ के 60 कब्जाधारियों को बेदखली का नोटिस भी जारी किया गया था। उन्हें हटाने के लिए डीएफओ सरगुजा ने मई 2022 में सरगुजा कलेक्टर को पत्र लिखकर फोर्स की मांग की थी। पर राजनितिक दबाव के कारण वर्ष 2022 में अतिक्रमण नहीं हट पाया था।

# रोहतक के बदमाशों ने मार्बल व्यवसायी से लिए थे 10.78 लाख रुपए

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

हथियारों के साथ बाहुबल का काम करने रोहतक से आए बदमाशों ने आतंक दिखाना शुरू कर दिया था। सीतापुर थाना क्षेत्र से बाइक लूटने से पूर्व बदमाशों ने अंबिकापुर के बार्बल व्यवसायी से 16 दिसंबर 2024 को 78 हजार व 17 जनवरी को 10 लाख रुपए असली व नकली पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देकर ले लिए थे। उस समय व्यवसायी ने डर से रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई थी। बाइक लूट के मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर 5 आरोपियों को जेल दाखिल कर दिया था। इसके बाद 2 जनवरी को इसी गिरोह के चार अन्य सदस्यों ने अपने जेल में बंद साथियों को छुड़ाने के लिए उसी व्यवसायी से और 10 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। व्यवसायी की रिपोर्ट पर गांधीनगर

पुलिस ने चार सदस्यों को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया था। व्यवसायी ने पूर्व में जेल में बंद आरोपियों पर 10 लाख 78 हजार रुपए लेने की शिकायत पुलिस से की थी।

व्यवसायी की शिकयत की पुष्टी के लिए गांधीनगर पुलिस ने 16 दिसंबर 2024 को घटना को अंजाम देने वाले व जेल में बंद वजय लोहार उर्फ शिवा निवास, अभिषेक सिन्धु, अजमेर खान, सागर उर्फ पहलवान, अमित कुमार सभी निवासी जिला रोहतक एवं टीम स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक अतुल सिंह, बृजेश राय, अमित विश्वकर्मा, सत्येंद्र दुबे, आनंद गुप्ता, संजीव चौबे, राहुल सिंह, सैनिक अनिल साहू सक्रिय रहे।

हरियाणा को रिपामंड पर लेकर पूछताछ की तो आरोपियों ने व्यवसायी को डराधमका कर रुपए लेने की बात स्वीकार की। इस दौरान बदमाशों ने असली व नकली पिस्टल का उपयोग किया था। जिसे लुचकी घाट में छुपाकर रखना बताया। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर पिस्तौल व डमी पिस्तौल, नग जिंदा कारतुस, दो नग एयर गन जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ 25-27 आर्म्स एक्ट जोडक़र पुनः जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, साइबर सेल प्रभारी सी पी तिवारी

# इंजीनियर के साथ मारपीट करने व शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के मामले में चार गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

चार ग्रामीणों ने 17 जनवरी को जनपद पंचायत के इंजीनियर, उसके साथी व मजदूरों के साथ मारपीट कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न किया था। इंजीनियर की रिपोर्ट पर बतौली पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार शशांक सिंह मणिपुर थाना क्षेत्र के दरीपारा का रहने वाला है और बतौली जनपद पंचायत में इंजीनियर के पद पद पदस्थ है। 17 जनवरी को बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम सिलमा शांतिपारा में प्रस्तावित पोस्टमार्टम हाउस का ले-आउट बनाने के लिए शशांक अपने साथी विशाल गुप्ता, लेबर

बुधेश्वर पैकरा के साथ गया था। तभी ग्राम सिलमा के राम नाथ पैकरा, दिला राम, मुकेश एवं धनेश्वर द्वारा गाली गलोज करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए शशांक व उसके साथी व मजदूर के साथ मारपीट की घटना को अजाम देते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न किया है। शशांक ने मामले की रिपोर्ट बतौली थाना में दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा धारा 221, 132, 296, 351, 3(5) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

# स्कूली बच्चों के बीच गर्म कपड़ों का किया गया वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सार्थक संवाद मिशन द्वारा अंबिकापुर शासकीय माध्यमिक एवं प्राथमिक शाला करधनी लुण्ड्रा में 18 जनवरी को बच्चों के बीच गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष हरिशंकर त्रिपाठी ने छात्र-छात्राओं

को स्वेटर वितरित करते हुए उन्हें शिक्षा के प्रति जागरूक किया और शिक्षा के महत्व को समझाया। संस्था के सदस्य सरदार प्रितपाल सिंह अरोड़ा द्वारा जीवन में सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन में संस्कारों के महत्व को बताया। ग्रामीण परिवेश को जोड़ते हुए वहां की समस्याओं को उठाते हुए संस्था के सदस्य वेद प्रकाश ने शिक्षा स्वास्थ्य तथा शराब की कुरीतियों के प्रति सचेत किया। इस दौरान सरदार जितेंद्र सिंह सोढ़ी, सतपाल सिंह भामरा ने भी संबोधित किया। वहीं कार्यक्रम का संचालन राजेश मिश्रा प्रधान पाठक ने किया। इस दौरान संजू राम, संतोष कुमार सिंह, शरद कुमार यादव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# अवैध विदेशी मदिरा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिला आबकारी विभाग की टीम ने अवैध विदेशी मदिरा (उत्तरप्रदेश लेबल) के परिवहन और भंडारण के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। सहायक जिला आबकारी अधिकारी शिला बड़ा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

मुखबिर से सूचना मिली थी कि सुधीर पाण्डेय 40 वर्ष आत्मज दीनदयाल पाण्डेय अवैध रूप से विदेशी मदिरा की घर पहुंच सेवा कर रहा है। आरोपी ग्राहकों से मोबाइल के माध्यम से संपर्क कर ऑर्डर लेता था। सूचना की पुष्टि होने

पर टीम ने रिंग रोड गंगापुर में ग्राहक बनकर आरोपी से संपर्क किया। आरोपी को हिरो मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया, जिसमें एक बोतल विदेशी मदिरा बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपी ने अपने किराए के मकान में अधिक मात्रा में मदिरा होने की बात स्वीकार की। मकान की तलाशी में 16.230 लीटर अवैध विदेशी मदिरा, जिसमें 6 बोतल आर.एम. वैरल स्लेमर, 1 बोतल 100 पाइपर, 6 बोतल ओल्ड मंक रम और 11 रम के पाव शामिल थे, बरामद किए गए।

आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क), 34(2), 59(क) और 36 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक अनिल कुमार गुप्ता, सौरभ साहू, आकाश साहू और मुख्य आरक्षक द्वारिका गुप्ता, गंभीर साय, जन्मेजय दुबे, मथुरा पटेल, रमेशचंद गुप्ता, अयोध्या प्रसाद, पुना लाल जायसवाल, एजाज खान, चंद्रिका पटेल और प्रेम शंकर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

## कृषि छात्रों ने वित्त मंत्री ओपी चौधरी को घेरा,वैकेंसी की मांग कर की नारेबाजी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के वत्तमंत्री ओपी चौधरी शनिवार को सरगुजा प्रवास पर थे। ये स्वामित्व योजना के तहत आयोजित अधिकार अभिलेश का वितरण कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान वित्त मंत्री ओपी चौधरी को एग्रिकल्चर व हॉर्टिकल्चर के पास हाउट छात्रों ने घेर लिया और वैकेंसी निकालने की मांग करते हुए नारेबाजी की। छात्रों का कहना है कि पिछले 8 वर्षों से कृषि विभाग में कोई भर्ती नहीं हुई है, जिससे कृषि की पढ़ाई कर चुके युवा बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। छात्रों ने मंत्री को ज्ञापन सौंपकर जल्द वैकेंसी निकालने की अपील की। इस दौरान जब छात्रों ने अपनी समस्याएं रखीं तो वित्त मंत्री ने उन्हें घर पर आकर उद्यानिकी सीखने की सलाह दी, जिससे छात्र और अधिक नाराज हो गए। छात्रों ने जमकर नारेबाजी करते हुए वैकेंसी की मांग की। इस दौरान मंत्री के सुरक्षा में लगे पुलिस बल ने छात्रों को संभाला और मंत्री को सुरक्षा घेरे में लेकर बाहर गई।

# क्रेशर प्लांट हादसे में 43 वर्षीय मजदूर की मौत जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
लखनपुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम माजा के राजाकटेल स्थित गोयल क्रेशर प्लांट हादसे मे 43 साल के मजदूर की मौत हो गई वहीं घटना के बाद से परिवारजनों में शोक का माहौल व्याप्त है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के मुताबिक परितोष मिंज पिता पीलन मिंज उम्र लगभग 43वर्ष ग्राम अंधला उरांवपारा निवासी जो राजाकटेल स्थित क्रेशर प्लांट में लगभग 3 वर्षों से काम करता था प्रतिदिन की भांति वह 18 जनवरी दिन शनिवार को गिट्टी क्रेशर प्लांट में काम करने गया हुआ था। क्रेशर प्लांट के बेल्ट में पत्थर फंसने से मशीन बंद हो गया। मजदूर परितोष मिंज बेल्ट में फंसे पत्थर निकालने गया हुआ था जैसे ही वह बेल्ट से पत्थर निकाला और मशीन चालू हो गया।

बेल्ट की चपेट में बाया हाथ आने के बाद मशीन में पीस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई।लखनपुर पुलिस थाने के उपनिरीक्षक के के यादव दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और क्रेशर मशीन में फंसे मजदूर के शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकलवाया गया। पुलिस शव का कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया है। साथ ही मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच की जा रही है वहीं घटना के बाद से परिवारजनों में शोक का माहौल व्याप्त है।

## इंजीनियरिंग कॉलेज को मिला एनडीएलआई आवार्ड

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय संस्था विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग कॉलेज अंबिकापुर को एनडीएलआई क्लब ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड 2024 के लिए चयनित किया गया है।

यह पुरस्कार 24 जनवरी को बिलासपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय गुरु घासी दास में प्राप्त होगा। संस्था की और से यह पुरस्कार मनोज देवांगन सहायक प्राध्यापक ग्रहण करेंगे। नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी अवार्ड डिजिटल तकनीक और इंटरनेट कनेक्टिविटी के आगमन के साथ, पुस्तकालय परिदृश्य और भौतिक सामग्री को एक साथ मिलाकर डिजिटल लाइब्रेरी बनाए जाने के फलस्वरूप वीईसी अंबिकापुर को प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि पर संस्था प्राचार्य डॉ. राम नारायण खरे ने सभी फैकल्टी, स्टाफ एवं छात्रों को बधाई दी है।

# ट्रंप-जेडी वैंस में बातचीत की चीन करा रहा था जासूसी! ड्रैगन के रैकेट का भंडाफोड़,बाइडन सरकार ने लिया बड़ा एक्शन

**वाशिंगटन, 18 जनवरी 2025।** बाइडन सरकार ने देश में बड़े पैमाने पर चल रहे चीनी साइबर जासूसी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस भंडाफोड़ में खुलासा हुआ है कि एक चीनी कंपनी और एक व्यक्ति इसमें शामिल थे,जो कथित तौर पर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों को निशाना बनाकर हैकिंग को अंजाम दे रहे थे।

अब दोनों पर बैन लगा दिया गया है। ये प्रतिबंध ऐसे समय में लगाए गए हैं जब ट्रंप ने कहा कि शुक्रवार को उनकी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छी फोन वार्ता हुई।

### लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं बनाया जा रहा था निशाना

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि हैकिंग के जरिए लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को निशाना बनाया जाना था।

अमेरिकी नेटवर्क से संवेदनशील खुफिया जानकारी इकट्ठा करने की कोशिश की जा रही थी, जिसपर अमेरिकी सरकार ने एक्शन लिया।

बाइडन सरकार ने इस मामले में एक चीनी टेक कंपनी पर प्रतिबंध लगाया है। ये कंपनी अमेरिकी दूरसंचार दिग्गजों की व्यापक रूप से हैकिंग में शामिल थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, हैकर्स ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और वरिष्ठ अधिकारियों की फोन पर बातचीत तक को निशाना बनाया था।

### ट्रेजरी के हैक में शामिल व्यक्ति पर बैन

ट्रेजरी ने शंघाई के एक व्यक्ति पर भी बैन लगाया है, जो ट्रेजरी के हैक में कथित रूप से शामिल था, जिसका खुलासा पिछले महीने हुआ था। मामले से परिचित एक सूत्र ने सीएनएन को बताया कि हैकर्स ने खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयास के तहत ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन और उनकी डिप्टी वैली एडेमो से जुड़ी जानकारी को निशाना बनाया था।

इससे पहले जानकारी सामने आई थी कि उन्होंने अमेरिकी सरकार के उस कार्यालय में भी सेंध लगाई थी, जो राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों के लिए विदेशी निवेशों की समीक्षा करता है।

# नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन

- कार्यक्रम के दौरान नागरिकों कों साइबर फ्रॉड से सम्बंधित जानकारिया देकर किया गया जागरूक
- जागरूकता रथ गाँधी चौक,घड़ी चौक, बस स्टैंड सहित एस.बी.आई. सिटी ब्रांच के समक्ष आयोजित किया गया जागरूकता कार्यक्रम

- संवाददाता -

**अम्बिकापुर, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।** सरगुजा पुलिस एवं स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान मे आज दिनांक कों जिले मे आमनागरिकों कों साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री योगेश पटेल (भा.पु.से.) के निर्देशन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लों एवं स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के रिजनल जनरल मैनेजर श्री अबिनाश पानीग्राही,चीफ मैनेजर ऑपरेशन श्री पी.एन. सिंह, चीफ मैनेजर मेन ब्रांच अम्बिकापुर श्री शिरीष गिर की उपस्थिति मे जागरूकता रथ कों जिले मे जागरूकता उत्पन्न करने हेतु हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जागरूकता की कमी से साइबर अपराध की घटनाये होती हैं, नागरिको मे जागरूकता उत्पन्न किये जाने के लिए लगातार समय समय पर साइबर जागरूकता का आयोजन किया जाता हैं, साइबर अपराध वर्तमान समय मे तेजी से बढ़ा हैं, नागरिकों मे जागरूकता के अभाव के कारण लगातार साइबर अपराध की घटनाये घट रही हैं,जिस सम्बन्ध मे लोगो कों निरंतर जागरूक किया जाना नितांत आवश्यक हैं, वर्तमान मे फर्जी ऑनलाइन डिलीवरी, पार्सल मे आपत्तिजनक सामान पकडे जाने का भय दिखाकर, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट कर सामाजिक प्रतिष्ठा कों ख़राब कर देने की धमकी देकर,

डिजिटल अरेस्ट के मामले, सैक्स्टॉर्शन, एटीएम फ्रॉड, नशे के झूठे मामलो मे गिरफ़्तारी का भय दिखाकर ठगी एवं दुर्घटना की जानकारी देकर ठगी कारित करते हुए एक निर्धारित रकम की मांग की जाती हैं, कई पीड़ितों से लाखो रुपये की ठगी कर ली जाती हैं, साइबर ठगी के मामलो मे त्वरित रिपोर्ट महत्वपूर्ण हैं, ऐसी घटनाओ की रिपोर्ट दर्ज कराने हेतु 1930 नंबर पर कॉल करें या नजदीकी पुलिस थाना या साइबर सेल मे अपनी रिपोर्ट दर्ज कराये, जिससे प्रकरण मे त्वरित कार्यवाही कर आमनागरिकों कों त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सकती हैं।

जागरूकता रथ गाँधी चौक, घड़ी चौक, बस स्टैंड सहित एस.बी.आई. सिटी ब्रांच के समक्ष लोगो कों नुक्कड़ नाटक के माध्यम से साइबर घटनाओ के प्रति जागरूक करेगी, कार्यक्रम मे साइबर सेल के अधिकारी कर्मचारी भी नागरिकों कों साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क करेंगे, कार्यक्रम के दौरान रिजनल जनरल मैनेजर श्री अबिनाश पानीग्राही,चीफ मैनेजर ऑपरेशन श्री पी. एन. सिंह, चीफ मैनेजर मेन ब्रांच अम्बिकापुर श्री शिरीष गिर, आरक्षक अनुज जायसवाल, जितेश साहू, बीरेंद्र पैकरा

## 20-25 मिनट के अंतर से मौत से बच गई, बहन को मारने की भी थी साजिश; शेख हसीना का दावा

**ढाका, 18 जनवरी 2025।** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सत्ता से बेदखली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। हसीना ने दावा किया कि उन्हें और उनकी छोटी बहन शेख रेहाना को मारने की साजिश रची गई थी। बांग्लादेश अवामी लीग पार्टी के फेसबुक पेज पर शुक्रवार देर रात पोस्ट किए गए ऑडियो भाषण में उन्होंने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, रेहाना और मैं बाल-बाल बच गए। केवल 20-25 मिनट के अंतर से हमारी जान बच पाई। मालूम हो कि पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में जोरदार आंदोलन हुआ था। हफ्तों तक चले विरोध प्रदर्शन और झड़पों के बाद बांग्लादेश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ कर दिया गया। इस दौरान हुई हिंसा में 600 से अधिक लोग मारे गए थे।

76 वर्षीय शेख हसीना बांग्लादेश से भागकर भारत चली आईं। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। शेख हसीना ने बीते दिनों को याद करते हुए कहा कि उन्हें मारने की साजिशें कई बार रची गईं। उन्होंने कहा, %मुझे लगता है कि 21 अगस्त की हत्याओं से बचना या कोटलीपारा में बम से बच जाना और 5 अगस्त, 2024 को भी जीवित रहना... अल्लाह की मर्जी से हुआ। मेरे ऊपर अल्लाह का हाथ रहा होगा। नहीं तो इस बार मैं बच नहीं पाती! हसीना ने कहा, %आपने देखा होगा कि कैसे उन्होंने मुझे मारने की साजिश रची। मगर, यह अल्लाह की रहमत है कि मैं अभी भी जीवित हूं। अल्लाह चाहता है कि मैं कुछ और करूं। हालांकि, मैं पीड़ित हूं। अपने देश के बिना और अपने घर के बिना रह रही हूं। सब कुछ जल गया है।

# स्वामित्व योजना अंतर्गत प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के 65 लाख हितग्राहियों को वर्चुअली किया अधिकार अभिलेख का वितरण

- स्वामित्व योजना से लोगों को मिला भूमि का मालिकाना हक, मिलेगी आर्थिक मजबूती:वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी
- पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने 471 हितग्राहियों को सौंपे संपत्ति कार्ड,दी शुभकामनाएं

- संवाददाता -

**अम्बिकापुर, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शनिवार को वर्चुअल रूप से जुड़कर स्वामित्व योजना के तहत पूरे देश में 65 लाख सम्पत्ति कार्ड का वितरण किया। पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड सौंपे। स्वामित्व योजना के तहत जिले के 06 तहसीलों के 471 हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड वितरण किया गया जिसमें तहसील अंबिकापुर में 283, तहसील उदयपुर में 50, तहसील लखनपुर में 40, तहसील सीतापुर में 21, तहसील बतौली में 14, तहसील लुण्ड्रा में 20, तहसील दरिमा में 43 अधिकार अभिलेख का वितरण

शामिल है।

मुख्य अतिथि वित्त एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने इस अवसर पर स्वामित्व योजना के तहत वर्षों से अपने घरों में रह रहे ग्रामीणों को उनकी भूमि का मालिकाना हक मिलने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर के 50 हजार गांवों के 65 लाख हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड सौंपे जा रहे हैं। लोगों को उनका हक दिलाने का यह एक सुखद प्रयास है। इन दस्तावेजों से ग्रामीण अब आसानी से बैंकों से ऋण प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही, संपत्ति के स्पष्ट अधिकार मिलने से जमीन संबंधी विवादों का समाधान भी सरल हो जाएगा। यह योजना ग्रामीण परिवारों को आर्थिक मजबूती देगी,साथ ही उनके आत्म विश्वास को भी बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकार बनते ही लगातार अपने वादे के अनुरूप काम करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश के किसानों को बोनस की राशि उनके खाते में दी। इसी तरह रामलला दर्शन योजना श्रद्धालुओं की बहु प्रतीक्षित अयोध्या धाम के दर्शन की इच्छा को पूरी कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को उनका पक्का आवास मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे पुनः प्रारंभ का दिया गया है जिससे एक भी जरूरतमंद परिवार शेष ना छुटे। उन्होंने बताया कि महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं को शक्ति वंदन योजना के तहत 25 हजार तक का आसान लोन देने बैंकों को निर्देशित किया गया है।

उन्होंने कहा कि सरगुजा के विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरगुजा के

चहुंमुखी विकास के लिए सरकार बनने से लेकर अब तक करोड़ों की राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि आगामी बजट में सरगुजा की उन्नति के लिए अधिक से अधिक विकास कार्यों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने आवश्यक कार्यवाही के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक टीम को निर्देशित भी किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से सरगुजा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए मिल काम करेंगे।

अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि शासन द्वारा अंतिम व्यक्ति तक हर योजना का लाभ पहुंचाया जा रहा है। स्वामित्व योजना के जरिए लंबे समय से अपने अधिकार से वंचित लोगों को उनका हक मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रति इस योजना के लिए बहुत बहुत आभार व्यक्त किया। लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने इस अवसर कहा कि आमजनों के जमीन की समस्या और आर्थिक रूप से सशक्त करने के लिए भूमि के स्वामियों का हक देने के लिए यह योजना लाई गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में संचालित यह योजना आने वाले समय में लोगों के जीवन को सुदृढ़ बनाएगा। उन्होंने इस हेतु सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री श्री चौधरी ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विभागीय स्टॉल का अवलोकन किया और शासन के बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर, कलेक्टर विलास भोसकर, एसपी श्री योगेश पटेल,डीएफओ तेजस शेखर, एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारी, भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे,ललन प्रताप सिंह, करता राम गुप्ता, विनोद हर्ष सहित बड़ी संख्या में हितग्राही एवं आमजन उपस्थित रहे।

### राज्य युवा महोत्सव में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले युवा हुए पुरस्कृत

मंत्री श्री चौधरी ने युवा महोत्सव में द्वितीय स्थान प्राप्त कर जिले का नाम रोशन करने वाले संगीत महाविद्यालय के छात्रों के रॉक बैंड को सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं तथा उनकी मदद के लिए 25 हजार रुपए की राशि प्रदान करने की बात कही। जिले के युवाओं ने मुलाकात कर मंत्री श्री चौधरी से नालंदा परिसर के तर्ज पर जिले में लाइब्रेरी निर्माण पर चर्चा की जिसमें उन्होंने बताया कि प्रदेश में 13 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर की तर्ज पर लाइब्रेरी बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। जिसपर युवाओं ने बेहद खुशी जताई।

### हितग्राहीमूलक वस्तुओं का किया गया वितरण

इस अवसर पर 5 हितग्राहियों को आयुष्मान भारत कार्ड, 5 हितग्राहियों को पम्प, 5 को नवीन किसान क्रेडिट कार्ड, 5 हितग्राहियों को एटीएम कार्ड जारी किया गया। इसी प्रकार 5 हितग्राहियों को पावर स्प्रेयर , 5 हितग्राहियों को जाति प्रमाणपत्र, 35 प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को चाबी एवं दीवार घड़ी वितरित किया गया। 10 गर्भवती महिलाओं को सुपोषण किट, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत हाउस कीपिंग के ट्रेनिंग लेने वाले 10 महिलाओं को प्रमाणपत्र सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को हितग्राहीमूलक वस्तुएं वितरित की गई।

# लखनपुर जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में 7 ग्रामों के 77 हितग्राहियों को स्वामित्व संपत्ति कार्ड का हुआ वितरण

- संवाददाता -

**लखनपुर, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।** देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। सरगुजा जिले के लखनपुर जनपद कार्यालय के सभा कक्ष में 18 जनवरी 2025 दिन शनिवार की दोपहर लगभग 12 बजे से स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आयोजित स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम के प्रसारण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले सहित ब्लॉक स्तर के हितग्राहियों से संवाद किया। लखनपुर विकासखंड के 7 ग्राम पंचायतो के 77 हितग्राहियों को संपत्ति कार्ड का वितरण उपस्थित अतिथियों के हाथों किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ,राहुल अग्रवाल, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी ,कुन्नी मंडल अध्यक्ष रवि महंत, चंद्रिका यादव, विश्वनाथ गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि लुण्ड्रा राकेश साहू ,मदन राजवाड़े, BDC श्रीमती प्रमिला राजवाड़े, श्रीमती राजकुमारी पैकरा ,मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पांडे, नायब तहसीलदार उमेश तिवारी ,सुश्री दीप्ति जायसवाल संहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी ब्लॉक स्तर के मौजूद रहे।

# प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने हेलमेट जागरूकता रैली में शामिल होकर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने किया प्रेरित

- संवाददाता -

**अंबिकापुर, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।** 36 वाँ राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 अंतर्गत यातायात जागरूकता अभियान दिनांक 01 जनवरी से 30 जनवरी तक आयोजित किया जा रहा है, कार्यक्रम के तहत जिले मे विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम एवं शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। सरगुजा जिला प्रवास के दौरान शनिवार को वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री ओपी चौधरी ने अभियान के तहत आयोजित हेलमेट रैली में शामिल होकर लोगों को यातायात नियमों का पालन करने प्रेरित किया। उन्होंने स्वयं पीजी कॉलेज ग्राउंड से सर्किट हाउस तक बाइक में सवार होकर आमनागरिकों को यातायात जागरूकता का सन्देश दिया तथा हेलमेट अवश्य लगाने प्रेरित किया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज,छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर कलेक्टर श्री विलास भोसकर, एसपी श्री योगेश पटेल, डीएफओ श्री तेजस शेखर, श्री भारत सिंह सिसोदिया, श्री आलोक दुबे, श्री ललन प्रताप सिंह, श्री करता राम गुप्ता, श्री विनोद हर्ष सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

CMYK

# जिला विभाजन उपरांत नवगठित जिला पंचायत

# क्षेत्र क्रमांक 5 सबसे हाई प्रोफाइल

**आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में इस क्षेत्र में टिकी सबकी निगाहें**

**वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष का क्षेत्र अब हुआ अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित**

**दावेदार,राजनीतिज्ञ और राजनीति में रुचि रखने वालों के लिए चर्चा का केंद्र बना यह क्षेत्र**

**वर्तमान विधायक की बेटी, विधायक के जिला प्रतिनिधि रेवा यादव,पिछड़ा वर्ग भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल साहू टटोल रहे मतदाताओं का मन**

**बीजेपी रेवा,अनिल व विधायक की बेटी इनमें से किस पर लगाएगी दांव**

**वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष भी दावेदारी के कशमकश में...सहयोगी टीम का अभाव असमंजस का कारण**

**विगत चुनाव में वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी के प्रचंड लहर में भी भाजपा से अनिल साहू ने दी थी कड़ी टक्कर**

**वर्तमान जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 में साहू समाज और राजवाड़े समाज के मतदाता निर्णायक स्थिति में**

**विगत चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को जिला स्तर के भाजपा नेताओं के भीतरघात का करना पड़ा था सामना**

**वर्तमान विधायक और नवनिर्वाचित भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 परीक्षा और प्रतिष्ठा का प्रश्न**

**बैकुंठपुर जनपद उपाध्यक्ष भी इस क्षेत्र से लड़ना चाहते हैं जिला पंचायत चुनाव...कांग्रेस साथ देगी या नहीं?...अब बीजेपी अपने प्रत्याशियों पर देगी ध्यान, ऐसे में कैसे पार होगा नईया?**

-रवि सिंह-
कोरिया, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में इस समय नगरीय निकाय चुनाव,त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव होना है। वहीं भाजपा ने इस चुनाव को लेकर पहले ही यह कह दिया है कि गांव से लेकर शहर तक हर जगह बीजेपी की सरकार होनी है। यानी कि सरपंच से लेकर महापौर तक भाजपा के लोग ही जीतने चाहिए, जो बहुत बड़ा दावा भी है, और संगठन को मजबूत करने का प्रयास भी। अब इस बीच अब सभी की निगाहें कोरिया जिले के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के जिला पंचायत चुनाव पर टिकी है, जहां पर सदस्य बनने से लेकर अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बनने तक की रणनीति तय होने लगी है। भाजपा कांग्रेस सभी के प्रत्याशी मैदान में अपना भाग्य आजमाईश करेंगे,वहीं पहले की तुलना में समीकरण बदल गए हैं। क्योंकि जिले का बंटवारा हो गया है। अब

कोरिया जिले में फिर से नए सीमांकन के तहत जिला पंचायत सदस्य की 10 सीटें तय हो चुकी हैं। सभी के आरक्षण भी आ चुके हैं,और कोरिया का जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 काफी महत्वपूर्ण और हाई प्रोफाइल सीट माना जा रहा है। यह सीट इसलिए हाई प्रोफाइल है, क्योंकि यह सीट जो जीतेगा वह उपाध्यक्ष पद की दावेदारी करेगा। जहां इस सीट पर भले ही महिला सामान्य अनारक्षित किया गया है, इसके बाद यहां पर बीजेपी से तीन दावेदार हैं। जिसमें से दो दावेदार पूर्व में भी चुनाव लड़ चुके हैं। एक नाम है अनिल साहू का और दूसरा नाम है रेवा यादव का, जो अभी वर्तमान में विधायक प्रतिनिधि हैं, जिनका कद अभी विधायक ने बढ़ाया है, बस अंतर यह है कि इस बार यहां पर रेवा यादव या फिर अनिल साहू स्वंय ना लड़कर अपने धर्मपत्नी को लडवा सकते हैं। जिसके लिए वह जनसंपर्क में चल रहे हैं। वहीं तीसरा नाम आता है विधायक की बेटी का जो यहां से लड़ने की इच्छा जता रही है। ऐसे में वर्तमान विधायक के लिए यह काफी कठिन हो गया है कि वह किस व्यक्ति के साथ खड़े होकर उसे जीत दिलाएंगे? एक तरफ बेटी हैं, तो दूसरी तरफ उनके दो चहेते समर्थक, जो उन्हें काफी मानते हैं, और उनके काफी करीबी हैं। अब ऐसे में वर्तमान विधायक कैसे तीनों के बीच सामंजस्य बैठाकर किसी एक प्रत्याशी को वहां पर भाजपा से खड़ा करके जीत दिलाएंगे? वही अभी तक कांग्रेस अपने प्रत्याशियों को लेकर दावा नहीं खेली है, पर कांग्रेस से भी दावा खेलना चाहे तो उनके पास पूर्व विधायक अंबिका सिंह स्वयं वहां से दावेदार हो सकती हैं। क्योंकि उनके गृह ग्राम क्षेत्र भी वहीं से आएगा और वह अभी अपना घर भी बना रहे हैं। यदि वह लड़ती हैं तो कांग्रेस के लिए भी जीत उस सीट पर तय हो जाएगी। वहीं एक और महत्वपूर्ण बात भी उसे क्षेत्र में है जो है आशा महेश साहू का जो वहां से चुनाव लड़ना चाह रही हैं। अब उन्हें भाजपा टिकट देगी नहीं और कांग्रेस से उनका संबंध खराब चल रहा है। अब ऐसे में वह अपना अलग ही समीकरण बनाकर चल रहे हैं। और वह जो समीकरण चल रही है, उसे पर कितना खरा उतरेंगे यह भी आने वाला समय बताएगा।

## वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष भी दावेदारी के कशमकश में, सहयोगी टीम का अभाव असमंजस का कारण

वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष आशा साहू भी विधायक बनने का ख्वाब देखते हुए इस क्षेत्र से जिला पंचायत के चुनाव लड़ने की फिराक में है। परंतु विगत चुनाव में जनपद सदस्य बनने के लिए जो टीम और जो सरकार का सहयोग साथ था, उसका सर्वथा अभाव दिख रहा है। विगत जनपद पंचायत के चुनाव में कांग्रेस की जो टीम और कांग्रेस के तत्कालीन विधायक का जो साथ उपाध्यक्ष आशा साहू को मिला, वह इस बार नदारद है। इसके अतिरिक्त कांग्रेस की तथाकथित नेत्री होने के बाद भी 5 साल सत्ता सुख भोगने के दरमियान कांग्रेस पार्टी के लिए कुछ विशेष उपलब्धि न हासिल करना और सभी राजनीतिक पार्टियों से अपने स्वार्थ लाभ के लिए बैलेंस बनाकर चलना वर्तमान में जनपद उपाध्यक्ष आशा साहू के लिए राह का रोडा बनने की कगार पर है। इसके अतिरिक्त विगत 5 वर्षों में ग्राम पंचायतों में जनपद उपाध्यक्ष के शिक्षक पति का अनावश्यक दखल, अनियमित और गुणवत्ताहीन निर्माण कार्य भी जनता के सामने है। कांग्रेसी होने के बाद भी विगत 5 वर्षों में पद पर रहने के बावजूद जिले में कांग्रेस के लिए वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष आशा साहू ने कोई प्रयास नहीं किया। उलट इसके जब विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस की प्रत्याशी ने हार दर्ज की, तथाकथित कांग्रेस जनपद उपाध्यक्ष ने इस हार का जश्न मनाया था। जिसकी बानगी उपाध्यक्ष के पति के फेसबुक पोस्ट में भी देखने को मिली थी। जनता की नजर में वर्तमान जनपद पंचायत उपाध्यक्ष के द्वारा निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार और लापरवाही भी स्वार्थ सिद्धि और धन कमाने के उद्देश्य से बरती गई है। जिले में कांग्रेस और कांग्रेस संगठन की बैठकों से नदारद रहना और बड़े कांग्रेसी नेताओं के जिले आगमन पर स्वागत सत्कार हेतु उपलब्ध न रहना भी कांग्रेस पार्टी द्वारा समर्थन के राह में बाधा बन सकता है। यही कारण है कि वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष कशमकश और असमंजस में है की जिला का चुनाव लड़ें या नहीं।

### कांग्रेस से पूर्व विधायक को करनी चाहिए दावेदारी?

निवर्तमान कांग्रेस की विधायिका रह चुकी श्रीमती अंबिका सिंह देव को जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 से दावेदारी करनी चाहिए और जनता के मन में जो खोया हुआ विश्वास है उसे पुनः पाने का प्रयास करना चाहिए। यह एक सुनहरा मौका है जो उन्हें आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सुगम राह प्रदान कर सकता है।

### बेटी नहीं लड़ी तो मुझे करें सपोर्टः सुत्र

विश्वस्त सूत्रों और जमगहना जंक्शन से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष का संपर्क लगातार वर्तमान विधायक से बना हुआ है। जिसमें वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष, वर्तमान विधायक से गुहार लगाती नजर आ रहे हैं कि यदि उनकी बेटी इस क्षेत्र से चुनाव नहीं लड़ती है, तो मुझे अपना समर्थन दें। इसके एवज में भविष्य में राजनीतिक समर्थन सदैव आपको मिलता रहेगा। कुछ ऐसा ही विगत विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला था जब जनपद उपाध्यक्ष और उनकी टीम ने कांग्रेसी होने के बावजूद कांग्रेस के लिए कोई खास प्रयास नहीं किया। इसके उलट कांग्रेस प्रत्याशी का विरोध किया था। अब देखने वाली बात यह होगी कि दो नाव के सवारी करने पर विगत विधानसभा चुनाव में जहां कांग्रेस से टिकट के दावेदार होने पर भी पत्ता कट गया था। आने वाले समय में क्या होता है देखना होगा?

### कांग्रेस व भाजपा को जिला पंचायत में उतरने होंगे अपने दमदार प्रत्याशी

कांग्रेस को आगामी विधानसभा में चुनाव जीतने के लिए निचले स्तर से ही मजबूत होना होगा, जिसके लिए अभी उनके पास त्रिस्तरीय व नगरीय निकाय चुनाव काफी अहम है। यदि इन चुनाव में वह अच्छा परिणाम ले आए तो विधानसभा चुनाव को वह आधा जीत लेंगे। यही वजह है कि उन्हें नापतोल कर दमदार प्रत्याशी उतारना होगा। यदि हम जिला पंचायत चुनाव की बात करें तो 10 सीटें हैं, और 1 से लेकर क्षेत्र क्रमांक 10 तक में यदि कांग्रेस वेदांती तिवारी, अंबिका सिंहदेव, यवत सिंह, योगेश शुक्ला, जैसों को प्रत्याशी बनाती है, तो जिला पंचायत में यह अपना अध्यक्ष व उपाध्यक्ष स्वयं के दम पर बना सकते हैं। वहीं यदि भाजपा की बात की जाए तो भाजपा भी कुछ इसी प्रकार अपने दिग्गज नेताओं को मैदान में उतर कर कांग्रेस की विजयी होने के सपने को तोड़ सकती है।

### विगत चुनाव में वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी के प्रचंड लहर में भी भाजपा से अनिल साहू ने दी थी कड़ी टक्कर

अविभाजित कोरिया जिले के विगत पंचायत चुनाव में जिला सदस्य के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से अनिल साहू, कांग्रेस की ओर से अनिल जायसवाल, और निर्दलीय के रूप में वेदांती तिवारी ने इस चुनाव को लड़ा था। वेदांती तिवारी के प्रति जनता के मन में जो सम्मान और विश्वास की लहर थी, उसका परिणाम यह हुआ कि वेदांती तिवारी ने इस सीट पर निर्दलीय रहते हुए भी एक तरफा जीत दर्ज की। बावजूद इसके दूसरे स्थान पर रहे भारतीय जनता पार्टी के अनिल साहू ने कड़ी टक्कर दी थी। जो यह दर्शाता है कि क्षेत्र में अनिल साहू को पसंद करने वाले भी हजारों लोग मौजूद हैं। प्रचंड लहर में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाना बहुत बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी अनिल साहू को पार्टी के जिला स्तर के शीर्ष नेताओं का वह साथ नहीं मिल पाया था, जो कि मिलना चाहिए था। बावजूद इसके और वेदांती तिवारी के प्रचंड लहर के उन्होंने विगत चुनाव में कड़ी टक्कर दी थी। और यही कारण है कि आगामी चुनाव में इस क्षेत्र के लिए उनसे बेहतर भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी शायद ही कोई हो। क्योंकि इस बार ना तो वेदांती तिवारी की इस क्षेत्र में कोई दखल है, ना ही कांग्रेस का सत्ता शासन। यदि जिला स्तर के भाजपा नेता अपना समर्थन अनिल साहू को देते हैं तो अनिल साहू ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सकते हैं।

### वर्तमान विधायक और नवनिर्वाचित भाजपा जिलाध्यक्ष के लिए जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 परीक्षा और प्रतिष्ठा का प्रश्न

जिला विभाजन के उपरांत जिले में मौजूद चार जिला पंचायत क्षेत्र को विभाजित कर 10 जिला पंचायत क्षेत्र में अस्तित्व में लाया गया है। वर्तमान में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5 सभी जिला पंचायत क्षेत्र में सबसे चर्चित है, क्योंकि यह वह क्षेत्र है जहां पर आरक्षण की स्थिति में यह तो अनारक्षित है, परंतु महिला के लिए। जिले भर के दावेदारों के सामने आने के बाद इस क्षेत्र में स्थिति और काफी रोचक हो गई है, और अन्य क्षेत्रों की तुलना में राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह सबसे हाई प्रोफाइल जिला पंचायत क्षेत्र बन गया है। जिसके निर्वाचन उपरांत जिला पंचायत के गठन की आबोहवा निर्धारित होनी है। इसलिए यह जिला पंचायत क्षेत्र वर्तमान भाजपा विधायक और नवनिर्वाचित भाजपा जिला अध्यक्ष के लिए नाक का सवाल है। केवल इतना ही नहीं प्रत्याशियों के चयन एवं समर्थन के अलावा उसे जीताने की समस्त जवाबदेही वर्तमान भाजपा विधायक और जिला अध्यक्ष की होगी, जो की इस सरकार में वर्तमान विधायक और नवनिर्वाचित भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष के लिए परीक्षा की कसौटी साबित होने वाली है।

## सीईओ जिला पंचायत ने प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
कोरबा, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सीईओ जिला पंचायत दिनेश कुमार नाग ने जनपद पंचायत कटघोरा अंतर्गत ग्राम ढेलवाडीह में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यपालन अभियंता आरईएस एवं क्रियान्वयन एजेंसी को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्धारित स्टीमेट के अनुसार किया जाए। सीईओ ने मैदानी अमले को निर्देशित किया प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट निर्माण कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें। सीईओ श्री नाग ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के अभिसरण से प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसके निर्माण से प्लास्टिक जैसे विषैले पदार्थों से पर्यावरण दूषित होने से बचेगा। इसके साथ ही प्लास्टिक कचरा पृथकरण और प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे जिससे उनका आजीविका संवर्धन होगा। निरीक्षण के दौरान श्री एस के जोगी ई आरईएस, सीईओ जनपद पंचायत कटघोरा श्री यशपाल सिंह, स्वच्छ भारत मिशन की टीम उपस्थित थी।

## वादाखिलाफी को लेकर ग्रामीणों का धरना प्रदर्शन

-संवाददाता-
कोरबा, 18 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

एस.ई.सी.एल गेवरा मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय में भू - विस्थापित ग्राम भिलाई बाजार, उमेंदीभाठा, मुड़ियानार, सलोरा, पंडरिपानी, नावापारा, रलिया, केसला, बरभाटा के बेरोजगार युवकों द्वारा ठेका श्रमिक रोजगार प्रबंधन को कई बार पत्राचार किया गया, पर प्रबंधन द्वारा एक न सूनी गई एवं प्रबंधन द्वारा किसी को रोजगार प्रदान नहीं किया गया। वहीं बाहरी लोगो को रोजगार दिया जा रहा है। प्रबंधन के इसी वादाखिलाफ़ी के सम्बन्ध मे सैकड़ो ग्रामीण जिला पंचायत के पूर्व उपाध्यक्ष अजय जायसवाल के नेतृत्व मे सुबह 9 बजे से महाप्रबंधक कार्यालय गेवरा के दोनों गेट में तालाबंदी कर प्रदर्शन पर बैठ गए हैं। धरना पर बैठे सैकड़ो ग्रामीणों में प्रबंधन के खिलाफ काफ़ी आक्रोश दिखा, उनका कहना है की प्रबंधन रोजगार की बात तो करती है पर वास्तविकता मे एस ई सी एल द्वारा विपरीत रवैईया अपनाया जाता रहा है, जिसे लेकर यह धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इस दौरान समझौता हेतु प्रबंधन के अधिकारी द्वारा समझाईश दिया गया परन्तु सक्षम अधिकारी नहीं होने की वजह से ग्रामीणों द्वारा बात करने से इनकार कर दिया गया साथ धरना प्रदर्शन के दौरान किसी भी कर्मचारी को अंदर जाने नहीं दिया गया। पहली बार ऐसा हुआ है की एक भी कर्मचारी अंदर नहीं जा सका है, वहीँ मामले की जानकारी मिलने पर दीपका पुलिस भी मौके पर मौजूद रही।

**न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर(छ.ग.)**

रा.प्र.क्र.

ईश्तहार

आगामी तिथि 04/02/2025

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक कृष्णदत्त तिवारी आ0 स्व0 अयोध्य प्रसाद तिवारी उर्फ द्विजदेव प्रसाद तिवारी निवासी मनेन्द्रगढ़ रोड सूरजपुर, तहसील व जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि आवेदक एवं अनावेदकगण के पिता एवं दादा,नाना स्व0 अयोध्या प्रसाद उर्फ द्विजदेव प्रसाद तिवारी की मृत्यु दिनांक 23/01/1992 को हुई थी उनके स्वामित्व की भूमि शहर सूरजपुर में खसरा नम्बर 2120/2 रकबा 2616 वर्गफीट अर्थात 8 डिस्मिल भूमि बाजारपारा सूरजपुर तहसील व जिला सूरजपुर में स्थित है। आवेदक व अनावेदक का वंशवृक्ष संलग्न करते हुए स्व0 अयोध्या प्रसाद आ0 अंगद राम के नाम पर स्थित भूमि सूरजपुर खसरा नम्बर 2120/2 रकबा 8 डिस्मिल भूमि का फौती नामांतरण आवेदक के पक्ष में दर्ज किए जाने का आदेश प्रदाय करने का अनुरोध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 4/02/2025 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोईविचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 17/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया गया।

सील

नजूल अधिकारी
,सूरजपुर

**न्यायालय तहसीलदार,अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0)**

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक साधना सिंह स्व0 मनीष सिंह निवासी शिकारी रोड बौरीपारा थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पति) स्व0 मनोज सिंह आ0 स्व0 परमेश्वर सिंह की दिनांक 27/03/2021 को स्थान निवास में हुई है।

आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील

तहसीलदार
अंबिकापुर

# जब लोकसभा चुनाव के दौरान ही पूर्व सरपंच गायत्री सिंह भाजपा में हो गई थी शामिल

# तो फिर भाजपा सरकार के आदेश की उन्होंने क्यों की अवहेलना ?

**सरकार के आदेश उपरांत भी नगर पंचायत अध्यक्ष मनोनीत होने पश्चात् गायत्री सिंह ने अध्यक्ष पद के शपथ ग्रहण का किया था बहिष्कार...**

**नगर पंचायत चुनाव सामने हैं तब यह बात सामने आई कि पूर्व सरपंच ने लोकसभा चुनाव के दौरान ही भाजपा में शामिल होकर प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर ली थी...**

**जिस समय उन्होंने प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की उस समय ना तो भाजपा ने अनाउंसमेंट किया था और ना ही खुद भाजपा में शामिल होने वाली पूर्व सरपंच ने किसी से कहा था...**

**पूर्व सरपंच सोशल मीडिया में अपनी फोटो डालकर अब यह बताना चाह रही है कि वह भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी के हाथों भाजपा में शामिल हुई थी...**

## पूर्व सरपंच के भाजपा में जाने का श्रेय किसके सर ?

पटना की पूर्व सरपंच का भाजपा प्रवेश एक पहेली बनकर रह गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में जो तस्वीर डाली है जो सदस्यता की तस्वीर डाली है वह ऑनलाइन सदस्यता कही जाएगी वहीं स्थाई सदस्यता बिल्कुल नहीं मानी जाएगी, क्योंकि उसकी शायद रसीद काटी जाती है वहीं यदि उन्होंने ऑनलाइन सदस्यता ही ली है तो किसके माध्यम से उन्होंने सदस्यता ली है, क्योंकि उनके खुद के समर्थक न तो सामने नजर आ रहे है न ही सोशल मीडिया पर वह बधाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर कुछ ऐसे लोग बधाई जरूर दे रहे हैं जो हैं तो दूसरे दल के लेकिन नए भाजपा जिलाध्यक्ष के मनोनयन के बाद से वह भाजपा की तरफ आकर्षित हैं और वह रायपुर तक नए जिलाध्यक्ष के साथ दौड़ लगा रहे हैं जबकि विधानसभा चुनाव में वह भाजपा प्रत्याशी के ही विरुद्ध थे विरुद्ध प्रचार कर रहे थे।

## जिलाध्यक्ष गुट में होंगी शामिल या फिर विधायक समर्थक रहेंगी ?

पूर्व सरपंच वर्तमान में जिलाध्यक्ष के गुट में जाती नजर आ रही हैं। नए जिलाध्यक्ष के मनोनयन के बाद ही उनके भाजपा प्रवेश की खबर सामने आई है, पूर्व सरपंच यह जता जरूर रही हैं कि उनका भाजपा प्रवेश पूर्व का है लेकिन उसकी घोषणा नए जिलाध्यक्ष के मनोनयन उपरांत ही हुई वहीं ऐसे नेत्री के माध्यम से प्रवेश बताया जा रहा है जो भी नए जिलाध्यक्ष के लिए आदर्श हैं जिलाध्यक्ष जिनके खास समर्थक हैं, ऐसे में अब क्या यह माना जाए कि पूर्व सरपंच जिलाध्यक्ष के गुट में ही रहने वाली हैं विधायक गुट में वह नहीं जाने वाली हैं। वैसे पटना को लेकर यह तय है कि पटना नए जिलाध्यक्ष के हिसाब से चलने वाला नहीं और वहां वह अपनी गुटबाजी नहीं खड़ा कर पाएंगे पटना में विधायक के बिना जिलाध्यक्ष जीत दर्ज नहीं कर सकते न ही पूर्व सरपंच को ही वह पटना वासियों को स्वीकार कर लेने मना पाने में समर्थ होंगे।

## खबरों के गलियारे में सिर्फ पूर्व सरपंच का लंबे समय बाद भाजपा में शामिल होना बना चर्चा का विषय

अभी पटना की राजनीति में और खबरों के गलियारों में केवल पूर्व सरपंच हैं। पूर्व सरपंच का भाजपा प्रवेश जहां लोगों के लिए आश्चर्य बना हुआ है वहीं उनका भाजपा में प्रवेश बिना अपने समर्थकों के जानकारी हुआ है यह अजूबा जैसा माना जा रहा है, कुल मिलाकर भाजपा और पूर्व सरपंच का मामला अब नव गठित नगर पंचायत पटना के गठन से और चुनाव से ऊपर हो गया है। पूर्व सरपंच भाजपा नेताओं से नजदीक थीं कार्यकर्ताओं से नजदीक थीं यह तो माना ही जाता था लेकिन वह चोरी छिपे भाजपा में जाएंगी यह उनके ही समर्थकों के लिए एक अजीब बात है।

**अध्यक्ष कौन होगा यह तो चुनाव परिणाम बताएगा...आचनक पार्टी में प्रवेश होने की खबर आना कितना नुकसान पहुंचाएगा**

पटना का पहला अध्यक्ष कौन होगा यह तो चुनाव परिणाम बताएगा, नगर पंचायत का लेकिन गायत्री सिंह का भाजपा प्रवेश उन्हें कितना नुकसान पहुंचाएगा यह देखना होगा। वैसे अब माना जा रहा है कि गायत्री सिंह यह चुनाव भाजपा के सहारे जीत नहीं पाएंगी क्योंकि उनके ही पुराने समर्थक उनसे नाराज हैं उनके बाहरी लोगों के साथ संपर्क बढ़ाने से वहीं पटना के लोगों का भी यह कहना है खासकर भाजपाइयों का की अब इसबार बदलाव जरूरी है। बदलने से पटना का विकास होगा और नए चेहरे से राजनीति में नयापन होगा, नई चीजें उदाहरण देखने को मिलेंगे। वैसे गायत्री सिंह निर्दलीय मजबूत होती चुनाव जीत सकने की स्थिति में होती यह भी लोग मान रहे है लेकिन उन्हें भाजपा प्रत्याशी बतौर भाजपाई भी स्वीकार कर पाने की स्थिति में नजर नहीं आ रहे हैं।

## गायत्री सिंह ने प्रथम अध्यक्ष कहलाने का मौका खुद छोड़ा,अब उनका निर्वाचन गलत होगा,भाजपा खेमे की आवाज

भाजपा खेमे की आवाज यह है कि गायत्री सिंह ने मनोनयन उपरांत प्रथम अध्यक्ष होने का गौरव खुद ठुकराया और सरकार जो भाजपा की है उसके निर्देश की उन्होंने अवहेलना की भाजपा नेता जहां बैठे रहे शपथ दिलाने वह बहिष्कार करने बैठी रहीं। अब जब उन्होंने खुद प्रथम अध्यक्ष कहलाने का मौका अवसर छोड़ा है उन्हें फिर मौका देना सही नहीं होगा? यह भाजपा का ही खेमा मानता है। बता दें भाजपा नेताओं का या कहें भाजपा के कार्यकर्ताओं का यही कहना है कि अब गायत्री सिंह को भाजपा का प्रत्याशी नहीं बनाया जाना ही सही होगा।

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, गुरुवार 12 दिसम्बर 2024 | 6

ग्राम पंचायत व नगर पंचायत की खींचातानी!

राजपत्र प्रकाशित होने के बाद भी पटना नगर पंचायत कार्यालय का बोर्ड नहीं लग पाया

ग्राम पंचायत नगर पंचायत का बोर्ड लगने नहीं दे रहा और नगर पंचायत के अधिकारी पंचायत के हर निर्माण कार्य पर नोटिस जारी कर अवैध बता रहे हैं

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-सरगुजा | अम्बिकापुर, शनिवार 14 दिसम्बर 2024 | 5

पटना नगर पंचायत के मनोनीत अध्यक्ष उपाध्यक्ष सहित

पार्षदों ने नहीं ग्रहण किया शपथ

क्या पटना में प्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष बनने का सपना टूट गया

अब निर्वाचित व्यक्ति ही पहला नगर पंचायत अध्यक्ष होगा ?

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-सरगुजा | अम्बिकापुर,शुक्रवार 10 जनवरी 2025 | 5

पटना नगर पंचायत के अध्यक्ष का पद अनारक्षित महिला के लिए आरक्षित हुआ...दावेदारों का बिगड़ा समीकरण

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,शुक्रवार 17 जनवरी 2025 | 6

नगर विकास समिति का प्रत्याशी भाजपा कांग्रेस की बढ़ा सकता है परेशानी ?

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना 18 जनवरी 2025
(घटती-घटना)।

राजनीति आज के दौर में ऐसी पहेली हो गई है की इसे समझना अच्छे-अच्छे की बस की बात नहीं है, राजनीति में जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं...और यह सब तब चीज समझ आने लगते हैं जब चुनाव सामने होता है, कुछ ऐसा ही इस बार निकाय चुनाव को लेकर सामने आने लगा है अभी हम बात कर रहे हैं कोरिया जिले में इकलौते होने वाले नवीन नगर पंचायत पटना चुनाव की,जहां दो बार सरपंच रह चुकी गायत्री सिंह इस समय राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है, वह भी इसलिए है क्योंकि गायत्री सिंह पहले किसी भी राजनीतिक दल से ताल्लुक नहीं रखती थी, सभी यह जानते थे कि वह गैर निर्दलीय हैं किसी दल से जुड़ी हुई नहीं है, पर अचानक अभी नगर पंचायत चुनाव के दौरान उनके भाजपा में शामिल होने की खबर तेज हो गई,यह खबर तब तेज हुई जब उन्होंने भाजपा का मंच साझा किया जब पटना में नवीन जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी का आगमन हुआ, पर वहां पर पार्टी के द्वारा अधिकृत तरीके से कोई भी घोषणा नहीं हुई, सिर्फ मंच साझा करना ही भाजपा में शामिल होने पर मोहर लगना माना गया, वहीं अचानक खबर प्रकाशन के बाद पूर्व सरपंच गायत्री सिंह ने अपने सोशल मीडिया में भाजपा की सांसद प्रतिनिधि रह चुकी सरोज पाण्डेय के साथ तस्वीर साझा करके यह बताने का प्रयास किया कि वह भाजपा में लोकसभा चुनाव के दौरान ही शामिल हो गई थी, पर यह बात किसी को पता नहीं थी अब वह किस प्रकार से भाजपा में शामिल हुई थी,यह तो भाजपा में शामिल कराने वाले जाने या फिर भाजपा में शामिल होने वाले जाने। पर वहीं तस्वीर डालकर उनके द्वारा पुष्टि करने से यह बात सामने आई की 8 महीना पहले ही उन्होंने भाजपा की लोकसभा प्रत्याशी रह चुकी सरोज पाण्डेय के माध्यम से भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी, वहीं उन्होंने सदस्यता का प्रमाण पत्र भी सोशल मीडिया पर साझा किया जो प्राथमिक और ऑनलाइन सदस्यता का मामला है स्थाई नहीं, पर इसके बाद एक और बहुत बड़ा प्रश्न उत्पन्न हो गया कि जब वह भाजपा की हो ही गई थी तब फिर उन्होंने भाजपा के द्वारा ही प्रकाशित राजपत्र जिसमें उन्हें नगर पंचायत अध्यक्ष मनोनीत किया गया था और जिसके लिए जिला प्रशासन की सहमति से नगर पंचायत कार्यालय द्वारा शपथ ग्रहण आयोजित था में उन्होंने शपथ ग्रहण क्यों नहीं किया, उस समय भी प्रोपेगेंडा बहुत हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजन तो हुआ पर शपथ ग्रहण नहीं हुआ, भाजपा के होने के नाते पूर्व सरपंच को शपथ ग्रहण में जाना था और शपथ लेना था अब यह बड़ा सवाल है कि यह किस प्रकार का भाजपा में शामिल होना है कि सिर्फ दिखाना कुछ है और करना कुछ है? आखिर पूर्व सरपंच इस समय किस वरिष्ठ भाजपा नेता के हाथों की कठपुतली बनकर अपनी प्रतिष्ठा को दाव पर लगा रही हैं? वैसे माना जा रहा है कि गायत्री सिंह अब अपने स्थानीय समर्थकों से दूर जाने का निर्णय ले चुकी हैं वहीं वह स्थानीय समर्थकों की बजाए अब बाहरी नए समर्थकों और भाजपा के बड़े नेताओं के संपर्क में है और यह तय है कि यदि वह भाजपा प्रत्याशी बनाई गई पटना में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ेगा और स्थानीय लोगों की उपेक्षा तय होगी।

## नए जिलाध्यक्ष को पटना की राजनीति को समझकर ही निर्णय लेना होगा,पटना की राजनीति अलग विपरीत है अन्य जगहों से...

पटना की राजनीति को समझकर ही नए जिलाध्यक्ष को निर्णय लेना होगा। पटना अन्य जगहों से राजनीति के मामले में बिल्कुल अलग है और पटना में बाहरी हस्तक्षेप पटना वासी मिलकर बर्दास्त नहीं करते उसका विरोध करते हैं। अब ऐसे में भाजपा के नए जिलाध्यक्ष को सोचसमझकर निर्णय लेना होगा।नए जिलाध्यक्ष के लिए यह चुनौती होगी और उनको यह भी तय करना होगा कि पटना में बाहरी हस्तक्षेप वह न होने दें,पटना की बात पटना के लोगों के साथ करें वरना वह अपनी राजनीतिक बड़ी भूल इसे बना ले जायेंगे।

## इस समय पूर्व सरपंच को वह भी लेकर घूम रहे हैं जिनका खुद का राजनीतिक ठिकाना नहीं...

पूर्व सरपंच गायत्री सिंह का वर्तमान में उनके साथ ज्यादा उठना बैठना है जिनका खुद का ही राजनीतिक ठिकाना नहीं है। कांग्रेस गोंडवाना के बाद अब उन्हें देवेंद्र तिवारी के कार्यकाल में भाजपा की तरफ लगाव हुआ नजर आ रहा है। गायत्री सिंह अब अपने पूर्व समर्थकों को पीछे छोड़ चुकी हैं क्योंकि पूर्व उनके समर्थकों में से एक ने भी उनके भाजपा प्रवेश की जानकारी होने की बात को स्वीकार नहीं किया। पूर्व समर्थकों को खुद आश्चर्य है कि कैसे एकाएक ऐसा निर्णय सामने आया उनके नेता का जबकि एकबार भी उनके नेता पूर्व सरपंच ने उन्हें बताना उचित नहीं समझा। वैसे पूर्व सरपंच बाहरी लोगों के साथ कैसे अपना राजनीतिक भविष्य बेहतर कर पाएंगी यह बड़ा प्रश्न है। पूर्व सरपंच पटना के समर्थकों को छोड़ ही चुकी नजर आ रही है।

CMYK

## बहुत जल्द मिलेगा लखनऊ सुपर जायंट्स को नया कप्तान

**नई दिल्ली,18 जनवरी 2025।** आईपीएल 2025 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। लखनऊ सुपर जायंट्स जल्द ही अपने कप्तान का ऐलान कर सकती है। रूत कप्तान का ऐलान करने के लिए 20 जनवरी को कोलकाता में आरपीएसजी मुख्यालय में एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सकती है। इस दौरान कप्तान के नाम पर मोहर लग सकती है। ऋषभ पंत का कप्तान बनना लगभग तय माना जा रहा है। पंत को एलएसजी ने 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस तरह वह आईपीएल मेगा ऑक्शन में बिकने वाले सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए।

# चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय स्क्वॉयड का ऐलान

### » कौन बना उपकप्तान, बुमराह पर सस्पेंस खत्म

**नई दिल्ली,18 जनवरी 2025।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले महीने यानी 19 फरवरी से होने जा रहा है। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च तक हाईब्रिड मॉडल पर खेला जाएगा जिसके लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट टीम 20 फरवरी से चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अभियान का आगाज करेगी। टीम इंडिया को ग्रुप-ए में बांग्लादेश, पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम इंडिया का पहला मैच बांग्लादेश से दुबई में होगा। इसके बाद टीम इंडिया का डिफेंडिंग चैंपियन पाकिस्तान से 23 फरवरी को सामना होगा। ये महामुकाबला भी दुबई में खेला जाएगा। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में अपना तीसरा और आखिरी मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड से दुबई में खेलेगी।

### रोहित के हाथ में टीम की कमान

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए रोहित शर्मा को

टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है। भारत की 15 सदस्यीय टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी को भी शामिल किया गया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हो गए थे और आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे, जिसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि वह चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज से बाहर हो सकते हैं लेकिन अब टीम की घोषणा होने के बाद साफ हो गया है कि वह टूर्नामेंट में टीम का हिस्सा होंगे। हालांकि बुमराह की फिटनेस अभी भी सवालों के घेरे में हैं।चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने कहा कि जसप्रीत बुमराह की फिटनेस का इंतजार कर रहे हैं और फरवरी की शुरुआत में बीसीसीआई की मेडिकल टीम से उनकी स्थिति के बारे में पता चलेगा।

### सिराज टीम से बाहर

दूसरी तरफ मोहम्मद शमी की 14 महीने बाद भारतीय वनडे टीम में वापसी हो गई है। टीम इंडिया के लिए शमी ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच नवंबर 2023 में वनडे वर्ल्ड कप में खेला था। शमी की तरह बुमराह भी 14 महीने बाद वनडे टीम में आए हैं। मोहम्मद सिराज टीम में शामिल नहीं हैं। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को मौका दिया गया है। वाशिंगटन सुंदर और हार्दिक पांड्या को बतौर ऑलराउंडर टीम में जगह दी गई है। कुलदीप यादव भी टीम में हैं। यशस्वी जायसवाल को पहली बार वनडे टीम में शामिल किया गया है।

### 8 में से 7 टीमों का हुआ ऐलान

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत से पहले 6 देश अपनी टीम का ऐलान कर चुके हैं और अब टीम इंडिया अपने स्क्वाड का ऐलान करने वाली 7वीं टीम बन गई है। टूर्नामेंट के लिए अब सिर्फ एकमात्र टीम मेजबान पाकिस्तान बची हुई है, जिसने अभी तक अपने 15 खिलाड़ियों का ऐलान नहीं किया है। पाकिस्तान की ओर से जल्द ही टीम की घोषणा करने की उम्मीद जताई जा रही है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर,केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा।

# शिखर धवन और सुरेश रैना खेलेंगे लीजेंड 90 लीग

### 6 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

**नई दिल्ली,18 जनवरी 2025।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन, सुरेश रैना, न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर जैसे दिग्गजों के साथ लीजेंड 90 लीग की शुरुआत होने जा रही है, जो क्रिकेट की दुनिया में एक नया रोमांच लेकर आएगा। 6 फरवरी से 18 फरवरी तक रायपुर में होने वाले इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। इन टीमों में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स, हरियाणा ग्लेडियेटर्स, दुबई जाइंट्स, गुजरात सैम्प आर्मी, दिल्ली रॉयल्स, बिग बॉयज, रॉयल किंग्स पंजाब और राजस्थान किंग्स शामिल हैं। 90 गेंदों वाली यह फटाफट लीग अपने अनूठे फॉर्मेट के कारण क्रिकेट इतिहास में एक गेम चेंजर साबित हो सकती है।

### दिग्गज खिलाड़ी होंगे शामिल

लीग के निदेशक शिवैन शर्मा ने इस टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए कहा कि लीजेंड 90 लीग की यात्रा हमारे और दर्शकों दोनों के लिए शानदार होने वाली है। इसमें क्रिकेट के कई पूर्व दिग्गजों की

भागीदारी और इसके अनोखे 90 गेंदों के फॉर्मेट का संयोजन दर्शकों को एक रोमांचक अनुभव देगा। हमें यकीन है कि यह नया फॉर्मेट क्रिकेट में एक नया मानदंड स्थापित करेगा। इस लीग में भाग लेने वाले प्रमुख खिलाड़ियों में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के मार्टिन गुप्टिल, सुरेश रैना और अंबाती रायडू जैसे बड़े नाम शामिल हैं। दिल्ली रॉयल्स में रॉस टेलर और शिखर धवन का अनुभव होगा, जबकि हरियाणा ग्लेडियेटर्स की कमान हरभजन सिंह के हाथों में होगी। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो राजस्थान किंग्स का हिस्सा होंगे, और बांग्लादेश के पूर्व कप्तान शाकिब अल हसन दुबई जाइंट्स के लिए खेलेंगे।

### क्या बोले शिखर धवन

अपने वापसी के बारे में शिखर धवन ने कहा कि मैं इस सीजन में दिल्ली रॉयल्स के लिए खेलूंगा और पूरी तरह से तैयार हूं कि मैदान पर अपना शानदार प्रदर्शन करूं। मैं लंबे समय से मैदान से बाहर था, लेकिन मेरे फैंस से मिले प्यार के लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करता हूं। इसके अलावा, मोइन अली और मार्टिन गुप्टिल जैसे धुरंधरों की भागीदारी से इस लीग की चमक और बढ़ जाएगी। इस लीग के फॉर्मेट की खासियत यह है कि इसमें सिर्फ 90 गेंदों का खेल होगा, जिससे खेल और भी तेज और रोमांचक हो जाएगा। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि इन दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी के बीच कौन सी टीम ट्रॉफी जीतने में सफल होती है।

## चोट के कारण रणजी ट्रॉफी के अगले राउंड से बाहर रहेंगे कोहली और राहुल

**नई दिल्ली,18 जनवरी 2025।** स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और केएल राहुल ने बीसीसीआई की मेडिकल टीम को सूचित किया है कि वे चोटों से जूझ रहे हैं। इस कारण वे 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मैचों के आगामी दौर में भाग नहीं ले पाएंगे।

ई एस पी एन क्रिक इन्फो ने बताया ने बताया कि कोहली गर्दन के दर्द से जूझ रहे हैं, जिसके लिए उन्हें सिडनी में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के खत्म होने के बाद 8 जनवरी को एक इंजेक्शन दिया गया था। उपचार के बावजूद, उन्हें अभी भी दिक्कत हो रही है, जिसके कारण वह राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ दिल्ली के मैच से बाहर हो जाएंगे।

दूसरी ओर, राहुल कोहनी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके कारण वह बेंगलुरु में पंजाब के खिलाफ कर्नाटक के लिए नहीं खेल पाएंगे। गुरुवार को बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के खिलाफ जरूरी दिशा-निर्देश जारी किया। इसमें घरेलू क्रिकेट में अनिवार्य रूप से भागीदारी लेना भी शामिल है। जो खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट नहीं खेलेगा, उसको राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष से अनुमति लेनी होगी। हालांकि कोहली और राहुल दोनों इस दौर में नहीं खेलेंगे, फिर भी वे ग्रुप चरण के अंतिम दौर में खेल सकते हैं, जो 30 जनवरी से शुरू होगा।

## स्कॉटलैंड और मैनचेस्टर यूनाइटेड लीजेंड डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन

**मैनचेस्टर,18 जनवरी 2025।** फुटबॉल दिग्गज डेनिस लॉ का 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह प्रतिष्ठित बैलन डीओर पुरस्कार जीतने वाले स्कॉटलैंड के इकलौते खिलाड़ी थे।द किंग और द लॉमैन के नाम से मशहूर लॉ ने फुटबॉल की दुनिया में अपनी छाप छोड़ी। मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ 11 साल बिताए, जहां उन्होंने 404 मैचों में 237 गोल किए। इस रिकॉर्ड के साथ वे क्लब के सर्वकालिक टॉप स्कोरर की सूची में वेन रूनी और सर बॉबी चार्लटन के बाद तीसरे स्थान पर हैं।

# किंग्समीड में जीत की राह पर लौटे सनराइजर्स ईस्टर्न केप

**डरबन,18 जनवरी 2025।** सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने किंग्समीड में डरबन सुपर जायंट्स पर 58 रन की जीत के टूर्नामेंट में वापसी की है। पिछली बार की चैंपियन तीन हार के बाद अपने एसए 20 के तीसरे सीजन में जीत के लिए बेताब थे। एडेन मार्क्रम की टीम ने अपने कप्तान की अपील पर बल्ले से बेहतर प्रदर्शन किया। टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। इंग्लैंड के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी जैक क्रॉली ने 29 गेंदों में 34 रन बनाकर शुरुआती गति प्रदान की, इससे पहले साथी इंग्लिश खिलाड़ी टॉम एबेल ने 39 गेंदों में 57 रन बनाकर मध्यक्रम में रनों की गति बनाए रखी। मार्को जेनसन ने पिछले मैच में अर्धशतक बनाया था, उन्होंने

फिर से 26 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर मैच के अंत में शानदार प्रदर्शन किया। इस लंबे कद के ऑलराउंडर ने ट्रिस्टन स्टब्स (आठ गेंदों में नाबाद 15) के साथ 13 गेंदों में 24 रन की अटूट साझेदारी की और सनराइजर्स को 165/5 तक पहुंचाया। मिस्ट्री स्पिनर नूर अहमद 4-24 के आंकड़े के साथ सुपर जायंट्स के सबसे सफल गेंदबाज रहे।

सुपर जायंट्स की शुरुआत ओपनर ब्रायस पार्सन्स और मैथ्यू ब्रीट्ज़के ने पहले विकेट के लिए 40 रन जोड़कर पॉजिटिव अंदाज में की। हालांकि बाद में पार्सन्स 21 गेंदों पर 23 रन बनाकर रन आउट हो गए।सुपर जायंट्स इसके बाद कभी उबर नहीं पाए, बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन ने किंग्समीड में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों का फायदा उठाया। अंग्रेज खिलाड़ी ने केन विलियमसन (3) को कैच एंड बोल्ड करके अपना अनुभव दिखाया और ब्रीट्ज़के (21) को आउट करके चार ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। रविवार को सेंट जॉर्ज पार्क में होने वाले मैच में दोनों टीमें फिर आमने-सामने होंगी।

# सचिन तेंदुलकर भी हुए करुण नायर के कायल

**नईदिल्ली,18 जनवरी 2025।** भारतीय क्रिकेटर करुण नायर का नाम इस वक्त काफी चर्चा में है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए खूब रन बनाए हैं। विदर्भ के कप्तान करुण नायर के प्रदर्शन को देखकर क्रिकेट के गलियारे में अब उन्हें टीम इंडिया में शामिल करने की चर्चा हो रही है। इसी बीच क्रिकेट के भगवान माने जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने भी उनके लिए एक स्पेशल पोस्ट शेयर कर दिया है।

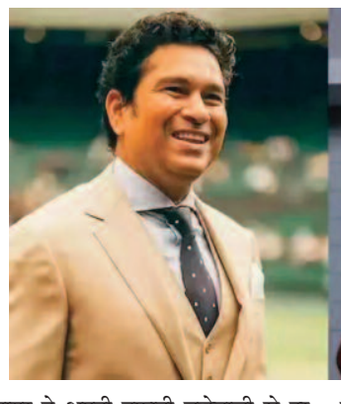

विदर्भ की कमान संभाल रहे करुण नायर ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से हर किसी को इम्प्रेस कर दिया है। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने उनके लिए एक्स पर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन को सराहा है।

तेंदुलकर ने करुण नायर को टैग करते हुए लिखा, 7 पारियों में पांच शतकों के साथ 752 रन बनाना असाधारण से कम नहीं है।. इस तरह के प्रदर्शन यूं ही नहीं हो जाते।. ऐसे प्रदर्शन अत्यधिक फोकस और कड़ी मेहनत से आते हैं। ऐसे ही मजबूत बने रहें और हर अवसर का लाभ उठाएं।

करुण नायर विजय हजारे ट्रॉफी में कमाल की बल्लेबाजी करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने अब तक 8 मैच खेले हैं, जिसकी 7 पारियों में 125.96 की स्ट्राइक रेट से 752 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 7 शतकीय पारियां आई हैं। उनकी कप्तानी में विदर्भ की टीम फाइनल में पहुंच गई है।

करुण नायर को अपकमिंग इंग्लैंड सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जा सकता है। सोशल मीडिया पर फैंस और तमाम पूर्व क्रिकेटर्स भी करुण को स्क्वाड में शामिल करने की बात कर रहे हैं लेकिन, अब देखने वाली बात होगी की सिलेटर्स करुण नायर के इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से इम्प्रेस हुए हैं या नहीं।. हालांकि, उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया और यकीनन वह टीम इंडिया में जगह पाने के हकदार हैं।

# 120 बहादुर की रिलीज डेट से उठा पर्दा

### मेजर शैतान सिंह बन दुश्मनों से लड़ते दिखेंगे फरहान अख्तर

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर इन दिनों कई फिल्मों के निर्माण को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बीच वे 120 बहादुर को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं, जिसमें वे खुद अभिनय करते नजर आएंगे। कुछ समय पहले फिल्म का पहला पोस्टर जारी हुआ था। फिल्म को लेकर प्रशंसक भी काफी उत्साहित हैं। वहीं, अब आखिरकार फिल्म की रिलीज की तारीख का भी एलान हो गया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर की एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अमित चंद्रा के ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज के साथ मिलकर 120 बहादुर की रिलीज की तारीख की घोषणा की है, जो 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

यह फिल्म मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी और चार्ली कंपनी,13 कुमाऊं रेजिमेंट के सैनिकों को श्रद्धांजलि है। 1962 के भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित 120 बहादुर रेजांगला युद्ध की कहानी दिखाएगी, जहां बहादुरी और बलिदान ने इतिहास रच दिया था। फिल्म की पहली घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है, जिसे इसके दमदार फर्स्ट लुक और मोशन पोस्टरों ने और भी बढ़ा दिया है। फरहान अख्तर कई तरह के मजबूत और प्रेरक किरदार निभाने के लिए मशहूर हैं। अब वह मेजर शैतान सिंह भाटी पीवीसी की भूमिका निभा रहे हैं। वह फिल्म में मेजर के साहस और नेतृत्व की कहानी बताएंगे।रजनीश रजी घई द्वारा निर्देशित और एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित 120 बहादुर का उद्देश्य भारत के सैन्य नायकों की अटूट बहादुरी को श्रद्धांजलि देना है। फिल्म के पोस्टर में फरहान अख्तर हाथों में बंदूक थामे दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फरहान अख्तर इस फिल्म के निर्माता भी हैं। वे रितेश सिधवानी और अमित चंद्रा के साथ मिलकर इस फिल्म को बना रहे हैं।

## वरुण धवन ने शुरू की बॉर्डर 2 की शूटिंग

वरुण धवन ने आखिरकार अपनी आगामी देशभक्ति एक्शन फिल्म बॉर्डर 2 के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू कर दी है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म की शूटिंग का पहला चरण उत्तर प्रदेश के झांसी में हो रहा है। फिल्म में सनी देओल, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिलहाल वे लोग शूटिंग में शामिल नहीं हुए हैं।झांसी के सैन्य छावनी क्षेत्र में स्थापित बॉर्डर 2 का उद्देश्य अपनी मनोरंजक कहानी, एक्शन सीन्स के साथ सच्ची घटनाओं को पर्दे पर दिखाना है। इंस्टाग्राम पर निर्माताओं ने बॉर्डर 2 के सेट से एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वरुण निर्माता भूषण कुमार और निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चानना और निर्देशक अनुराग सिंह के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। अभिनेता को ग्रे टी-शर्ट और नीली जींस पहने देखा जा सकता है। उन्होंने इस आउटफिट को ब्लैक लेदर जैकेट के साथ पहना और मूंछों वाला लुक दिया। उन्होंने कुमार और दत्ता के साथ फिल्म का क्लैपबोर्ड पकड़ा।निर्माताओं ने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, एक्शन, धैर्य और देशभक्ति! अभिनेता वरुण धवन ने निर्माता भूषण कुमार और निधि दत्ता, सह-निर्माता शिव चानना और निर्देशक अनुराग सिंह के साथ झांसी के सुंदर छावनी क्षेत्रों में बॉर्डर 2 यात्रा शुरू की। 23 जनवरी, 2026- एक अविस्मरणीय गाथा के लिए तैयार हो जाइए।

# मिशन ग्रे हाउस के साथ बड़े पर्दे पर नई शुरुआत के लिए तैयार हैं पूजा शर्मा

पूजा शर्मा ने 2024 में तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो में पोपटलाल की प्रेमिका की भूमिका निभाकर अपने लिए लोगों से बहुत प्यार और फैन्स का सपोर्ट प्राप्त किया। अब वह फिल्म मिशन ग्रे हाउस के साथ बड़े पर्दे पर अपनी नई शुरुआत के लिए पूरी तरह तैयार हैं।पूजा, जो अपने सीए फाइनल सेकंड ग्रूप की परीक्षा देने के लिए मुंबई आई थीं, उसने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वह अभिनेत्री बनेंगी।अपने मॉडलिंग और अभिनय करियर की शुरुआत के बारे में बताते हुए पूजा ने कहा, मैं मॉल में खरीदारी कर रही थी और एक कास्टिंग वाले ने मुझे किसी प्रसिद्ध सोप के ऑडिशन के लिए इंटरव्यू देने के लिए संपर्क किया, वे रैंडम पब्लिक इंटरव्यू लेते हैं। अगले दिन, उसने मुझे यह कहते हुए बुलाया कि अगर आप ऑडिशन राउंड क्लियर करती हैं और एड के लिए चुनी जाती हैं, तो आपको प्रति दिन चालीस हज़ार का पेमेंट किया जाएगा शूट के लिए। मैं हैरान थी की सीए में भी प्रति दिन इतने पैसे तो कहा ही मिलेंगे।टीएमकेओसी के अलावा पूजा छोटी सरदारनी, जौहरी, दस जून की रात जैसे लोकप्रिय शो और वेब सीरीज का भी हिस्सा रही हैं।मिशन ग्रे हाउस में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रहीं पूजा ने कहा, मैं बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए उत्साहित हूं और यह एक सपने के सच होने जैसा है। मैं कियारा की भूमिका निभा रही हूं, जो एक पुलिस अधिकारी है और अभिनेता राजेश शर्मा की बेटी है, जो एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भी हैं। मैं फिल्म में हीरो की अच्छी दोस्त हूं। फिल्म की कहानी कुछ इस तरह है कि मैंने अपने पिता को ग्रे हाउस में रहस्यमयी हत्याओं के पीछे की सच्चाई को उजागर करने के लिए हम दोनों को एक खतरनाक मिशन पर भेजने के लिए राजी किया और हम इस रहस्य को कैसे सुलझाते हैं।

# प्रदेश के बिजली कारखानों को हाईकोर्ट का सख्त आदेश

» प्रदेश के बिजली कारखानों में श्रमिकों के खराब स्वास्थ्य को लेकर हाईकोर्ट ने जताई चिंता...

» विभाग को कड़ी कार्रवाई का दिया आदेश

**बिलासपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपेक्षा पर गहरी चिंता व्यक्त की है। अदालत ने राज्य सरकार को इन संयंत्रों की पुनः जांच कराने और श्रमिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया है।

दरअसल कोयले से बिजली बनाने वाले कारखानों में व्याप्त प्रदूषण का श्रमिकों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इससे बचाव के लिए किये जाने वाले उपाय पर निगरानी की जिम्मेदारी संचालनालय, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के ऊपर है, मगर सही तरीके से मॉनिटरिंग नहीं होने के चलते अधिकांश संयंत्रों द्वारा केवल औपचारिकता निभाई जा रही है और श्रमिकों के स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर हाईकोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है।

### न्याय मित्रों ने की थी संयंत्रों की जांच

हाईकोर्ट द्वारा इस मामले की सुनवाई के दौरान कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों की जांच के लिए 10 अधिवक्ताओं को न्याय मित्र बनाया गया था। अधिकांश संयंत्रों की रिपोर्ट में कोयला संयंत्रों में श्रमिकों की खराब स्वास्थ्य स्थिति और नियमों के उल्लंघन की जानकारी दी गई है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने मामले से जुड़े न्याय मित्र और कोर्ट कमिश्नरों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न रिपोर्टों का अवलोकन किया।

### राज्य सरकार ने संयंत्रों में खामियां स्वीकारी

हाईकोर्ट में राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट में यह स्वीकार किया गया कि निरीक्षण के दौरान कई संयंत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई है। हालांकि, अदालत ने इस बात पर नाराजगी जताई कि इन उल्लंघनों पर कार्रवाई करने में देरी हुई। श्रमिकों के स्वास्थ्य संबंधी रिपोर्टों से इस बात का खुलासा हुआ है कि औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा संयंत्रों से नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कराया जा रहा है।

### फेफड़े की बीमारी से पीड़ित पाए गए कई श्रमिक..!

कोयले से चलने वाले बिजली कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों के स्वास्थ्य परिक्षण के दौरान चौंकाने वाली जानकारियां सामने आयी। संयंत्रों में कई श्रमिक ब्लैक लंग जैसी गंभीर बीमारियों से पीडित पाए गए। रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया कि श्रमिकों के वार्षिक स्वास्थ्य जांच के नाम पर केवल दिखावटी रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

### नियमों का घोर उल्लंघन

छत्तीसगढ़ फैक्टरी नियम, 1962 के नियम 131 और 131ए के तहत श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच और उचित चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करना अनिवार्य है। संयंत्रों की जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि अधिकांश संयंत्रों में इन नियमों का पालन नहीं किया गया।

### श्रमिकों का सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य परीक्षण का आदेश

हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को सभी कोयला संयंत्रों का पुनः निरीक्षण करने और स्वास्थ्य केंद्र, एंबुलेंस सुविधाओं की स्थिति की जांच करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने आदेश दिया कि सभी श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच सरकारी अस्पतालों में कराई जाए और इसकी रिपोर्ट पेश की जाए।

स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश

इस मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने सरकार को संयंत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के तहत सभी संयंत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों और एंबुलेंस सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। संयंत्र परिसर में कोयला धूल के स्तर की जांच और उसे नियंत्रित करने के लिए उपकरण लगाने का निर्देश दिया है। साथ ही श्रमिकों की पुनः जांच और उनके स्वास्थ्य पर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है।

### अगली सुनवाई में शपथ पत्र पेश करें

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार और संबंधित संयंत्रों को श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी नियमों का पालन करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि श्रमिकों की सुरक्षा में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है और सभी प्रावधानों को सख्ती से लागू किया जाना है। इस संबंध में किये गए प्रयासों को लेकर 18 मार्च को होने वाली अगली सुनवाई में एक शपथ पत्र जमा करने का निर्देश डायरेक्टर, औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को दिया गया है।

### डॉक्टरों की नियुक्ति को कोर्ट ने माना अपर्याप्त

राज्य सरकार के संबंधित विभाग ने बताया कि श्रमिकों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों की पहचान और समाधान के लिए नई नियुक्तियां की गई हैं। 2024 में 42 नए सर्टिफाइंग सर्जन नियुक्त किए गए हैं। मगर अदालत ने इस पर असंतोष व्यक्त किया और इन उपायों को अपर्याप्त बताया। बता दें कि हाईकोर्ट में सुनवाई से पहले औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के अधीन पूरे प्रदेश में केवल दो डॉक्टर नियुक्त थे। इस बार बताया गया है कि 42 नए सर्जन नियुक्त किये गए हैं। कोर्ट ने इसे भी अपर्याप्त माना है, क्योंकि प्रदेश में कोयला आधारित बिजली कारखानों की संख्या और इसमें काम करने वाले श्रमिकों की संख्या काफी ज्यादा है।

दरअसल ऐसे कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों की नियमित तौर पर स्वास्थ्य जांच और उनकी रिपोर्ट तैयार की जाती है। कारखानों की जांच के लिए गए न्याय मित्रों ने बताया कि अधिकांश श्रमिकों की स्वास्थ्य जांच संबंधी रिपोर्ट एक ही समान याने 'कॉपी पेस्ट' की हुई है। इससे उनकी रिपोर्ट के फर्जी होने का खुलासा होता है।

## प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

### एमएलए के बढ़ेंगे दैनिक भत्ते

#### राज्यपाल ने दी मंजूरी

**रायपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़ के विधायकों का दैनिक भत्ता बढ़ाने वाले संशोधन विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी मिल गई है। राजभवन ने इसकी सूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही नगर पालिका अधिनियम में किए गए संशोधन को भी राजभवन की मंजूरी मिल गई है। दिसंबर में हुए विधानसभा के सत्र के दौरान विधायकों का दैनिक भत्ता दो हजार रुपये करने के लिए संशोधन विधेयक पारित किया गया था। राजभवन से जारी सूचना के अनुसार राज्यपाल ने इसी महीने की एक तारीख को इस संशोधन विधेयक को मंजूरी दी है। राज्यपाल ने नगर पालिक अधिनियम में किए गए संशोधन को भी हरी झंडी दे दी है।

### मुख्यमंत्री ने की भूमिहीन किसानों को प्रतिवर्ष 10 हजार रूपए देने की घोषणा

**रायपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सक्ती में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि भूमिहीन किसानों को हर साल 10 हजार रुपए देगी। प्रदेश के 5 लाख 62 हजार लोगों को इस योजना का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सक्ती में आयोजित मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम में शामिल हुए।

### बीएड शिक्षकों का वित्तमंत्री के बंगले के गेट में 3 घंटे प्रदर्शन

#### जबरिया बसों में भरकर ले गई पुलिस

**रायपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** राजधानी रायपुर माना तूता में समायोजन की मांग की को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहीं 300 बीएड सहायक शिक्षकाएं शनिवार सुबह 6:00 कड़कड़ाती ठंड में वित्त ओपी चौधरी के बंगले आ पहुंची।करीब तीन घंटे बाद भी अब तक वित्त मंत्री उनसे मिलने बंगले के बाहर नहीं आए हैं। तो वो गेट पर प्रदर्शन करने को बैठ गई। बाद में पुलिस ने सभी को जबरिया बसों में बैठाकर ले गई।

### निजी यूनिवर्सिटी के हॉस्टल में छात्रा ने लगाई फांसी

**रायपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** राजधानी रायपुर से लगे अभनपुर से आत्महत्या का मामला सामने आ रहा है, यहां शुक्रवार को दावड़ा यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। घटना के बाद से हॉस्टल में हड़कंप मच गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छात्रा के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। वहीं मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

# टामन सोनवानी ने सबसे पहले रिश्तेदार को दिया था सीजीपीएससी का पेपर

### फिर करोड़ों रुपए लेकर किया लीक

**रायपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** प्रदेश में हुए सीजीपीएससी गड़बड़ी मामले की चार्जशीट सामने आने पर कई बड़े खुलासे हुए हैं। सीजीपीएससी द्वारा पेश की गई इस पूरी चार्जशीट में सीजीपीएससी ऑफिस में कार्यरत 7 कर्मचारियों समेत करीब 41 लोगों को गवाह बनाया गया है, लेकिन 5 ऐसे लोगों के बयान दर्ज नहीं कर पाई जो कि इस पूरे मामले के या तो जांचकर्ता हैं या इस गड़बडी के अंदर तक जुड़े हैं। चार्जशीट के मुताबिक जुलाई 2020 को प्रश्न पत्र प्रकाशन को लेकर टामन सिंह और परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक ने मे. एकेडी प्रिंटर प्रा. लि. के अरुण कुमार द्विवेदी के साथ रायपुर में मीटिंग की उसके बाद दोनों के बीच 17 अगस्त 2020 को ही अनुबंध हुआ कि 2 प्रश्न-पत्र सेट करने की सहमति बनी।

### छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 24 फरवरी से 21 मार्च तक प्रस्तावित

#### इस बार बढ़ सकता है बजट

**रायपुर,18 जनवरी 2025 (ए)।** छत्तीसगढ़ सरकार ने 24 फरवरी से 21 मार्च तक राज्य विधानसभा के बजट सत्र का प्रस्ताव भेजा है। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। इस सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किए जाने की संभावना है।

#### बजट तैयारी अंतिम चरण में

राज्य सरकार बजट को अंतिम रूप देने के लिए प्रयासों को तेज कर रही है, और सचिव स्तर की चर्चा लगभग पूरी हो चुकी है। अब वित्त मंत्री ओपी चौधरी विभागीय मंत्रियों के साथ बैठकर विभागीय बजट और नई योजनाओं पर चर्चा करेंगे। इसके बाद, प्रस्तावित बजट को राज्य मंत्रिमंडल से मंजूरी के लिए लाया जाएगा और फिर विधानसभा में प्रस्तुत किया जाएगा।

#### बजट में अनुमानित वृद्धि

2025-26 का बजट पिछले वित्तीय वर्ष के मुकाबले 5-7त्न बढ़ने की उम्मीद है। वित्त विभाग ने नए खर्च प्रस्तावों की समीक्षा पर जोर दिया है, और केवल मंत्री स्तर की बैठकों में इन्हें अनुमोदित किया जाएगा। नए सेवाओं के प्रस्तावों को संसाधन आवंटन की सीमाओं के अनुसार ही मंजूरी मिलेगी।

# कांकेर मुठभेड़ में 12 नहीं 18 नक्सली मारे गए

**कांकेर,18 जनवरी 2025(ए)।** छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 2 दिन पहले दक्षिण बस्तर के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 12 नहीं बल्कि 18 नक्सली मारे गए हैं। इनमें एससीएम (सेंट्रल कमेटी मेंबर) दामोदर भी मारा गया है। 12 नक्सलियों के शवों को फोर्स ने और 6 नक्सलियों के शव को खुद नक्सल संगठन के लोग अपने साथ लेकर चले गए। इसकी जानकारी दक्षिण बस्तर जोनल कमेटी के सचिव गंगा ने पर्चा जारी कर दी है। गंगा ने जो पर्चा जारी किया है उसमें लिखा है कि, इस मुठभेड़ में एससीएम दामोदर दादा, पीपीसीएसएम हुंगी, देवे, जोगा, नरसिंहराव समेत कुल 18 साथी मारे गए हैं। मुठभेड़ के दौरान मारे गए लीडर दामोदर समेत 6 के शवों को नक्सल लड़ाके अपने साथ ले गए हैं। दामोदर पर 40 से 50 लाख का इनाम घोषित था। नक्सलियों का कहना है कि इस गोलीबारी में पुलिस को भी नुकसान हुआ है। दरअसल, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सीमा पर 3 जिलों की पुलिस ने करीब 48 घंटे तक ऑपरेशन चलाया था।

### बॉयफ्रेंड के लिए लड़कियों के बीच गैंगवार

#### चिंकी और रिया गैंग ने एक-दूसरे पर बरसाए थप्पड़

**बिलासपुर,18 जनवरी 2025 (ए)।।** जिले में बॉयफ्रेंड को लेकर विवाद का मामला सामने आया है, जहां दबंग लड़कियों ने एक लड़की की पिटाई कर दी। लड़कियों ने पहले तो उस पर थप्पड़ो की बारिश कर दी फिर उसे खींचकर जमीन पर गिरा दिया और लात-घूंसों से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के दौरान लड़की चीख-चीखकर रोती रही, लेकिन उसे बचाने कोई नहीं आया। लड़कियों की सरेराह इस गुंडागर्दी का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

### दो आईएएस अफसरों का ट्रांसफर

#### वासु जैन को मिला नया पद

**रायपुर,18 जनवरी 2025 (ए)।** छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। इसमें आईएएस वासु जैन और आईएएस रेना जमील का नाम शामिल है। आईएएस वासु जैन को अब जिला पंचायत सक्ति में मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उनके इस नए पद पर जिम्मेदारी के तहत वे जिले के प्रशासनिक कार्यों को और प्रभावी तरीके से संभालेंगे। वहीं आईएएस रेना जमील को उपसचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# भालू के हमले में दो की मौत

### दो घायल, वन विभाग का कर्मचारी भी शामिल...

**भानुप्रतापपुर, 18 जनवरी 2025 (ए)।** छत्तीसगढ़ के कांकेर वनमंडल के डोंगर कट्टा इलाके में भालू के हमले से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इस घटना में वन विभाग का एक कर्मचारी भी घायल हुआ है। बता दें कि यह घटना तब हुई जब दो ग्रामीण खेत में काम करने गए थे। उन पर अचानक भालू ने हमला कर दिया। एक ग्रामीण की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर चोटें आईं और उसे इलाज के लिए कांकेर जिला अस्पताल भेजा गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के कुछ समय बाद, भालू फिर से मौके पर पहुंच गया और वन विभाग के कर्मचारी पर हमला कर दिया। इसके बाद, भालू ने मृत ग्रामीण के पिता को भी अपना शिकार बना लिया।हमले में घायल दोनों लोगों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचे और कार्रवाई में जुट गए है।

### सैफ अली खान हमले का आरोपी दुर्ग स्टेशन में पकड़ाया

**रायपुर,18 जनवरी 2025(ए)।** बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान हमले के तार मध्य प्रदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ से भी जुड़ गए हैं। असल में जिस चाकूबाज को मुंबई पुलिस पूरे देशभर में तलाश रही थी वह दुर्ग में दबोचा गया है। आरपीएफ की टीम ने उसे ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस में दबोचा है। शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस मुंबई से कोलकाता के लिए चलती है। उसे दुर्ग आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है।आरपीएफ के इंस्पेक्टर संजीव सिन्हा ने बताया कि, संदिग्ध का नाम आकाश है। आरपीएफ दुर्ग ने मुंबई पुलिस को सूचना दे दी है। शाम तक मुंबई पुलिस यहां पहुंचने वाली है, उसके बाद ही आगे की विस्तृत जानकारी उपलब्ध हो पाएगी। दरअसल बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सैफ अली खान पर बुधवार (15 जनवरी) की देर रात हमला हुआ। इस मामले में पुलिस ने डेटा डंप की तकनीक से हमलावर की पहचान की।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)